RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 301 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 30-05-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 क्या अपने आईपीएल फॉर्म को बरकरार रख पायेंगे सूर्यवंशी?

6 पांच देशों की यात्रा में मोदी ने बजाया भारत का डंका

7 'कृष्णावतारम' में पौराणिक कथा नहीं, इतिहास दिखाया गया : संस्कृति जयना

फर्स्ट टेक

रुपया 73 पैसे उछलकर 94.85 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई/भाषा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 73 पैसे उछलकर 94.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते को लेकर बढ़ी उम्मीद से बाजार धारणा मजबूत होने के बीच रुपया मजबूत हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट और डॉलर में कमजोरी से भी रुपये को समर्थन मिला। अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम को 60 दिन और बढ़ाने तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर वार्ता के नये दौर शुरु करने पर सहमति बनने के बाद सुधार का यह रुख देखने को मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.77 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.85 के उच्चस्तर और 95.78 के निचले स्तर तक गया। अंत में रुपया 94.85 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 73 पैसे की बढ़त है। बुधवार को रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 95.58 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

चीन में शाओलिन मंदिर के पूर्व मुख्य भिक्षु को 24 साल जेल की सजा

बीजिंग/भाषा। चीन के शाओलिन मंदिर के पूर्व मुख्य भिक्षु शी योंगक्सिन को शुक्रवार को भ्रष्टाचार के आरोपों में 24 साल जेल की सजा सुनाई गई। आधिकारिक मीडिया में प्रकाशित खबरों में यह जानकारी दी गयी। योंगक्सिन ने दुनिया भर में 'कुंग फू' को लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, मध्य चीन के हेनान प्रांत के शिनजियांग शहर की एक अदालत ने योंगक्सिन को धन के गबन और रिश्वतखोरी सहित कई अपराधों का दोषी पाया। योंगक्सिन पर 35 लाख युआन (516,000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना भी लगाया गया।

सूडान में अर्द्धसैनिक बल के हमले में 27 लोगों की मौत : संगठन

काहिरा/एपी। सूडान में ईद-उल-अजहा के दौरान एक इलाके में अर्द्धसैनिक बल से जुड़े लड़ाकों ने आम नागरिकों को निशाना बनाते हुए हमला किया जिसमें एक बुजुर्ग समेत 27 लोगों की मौत हो गई। एक मानवीय संगठन ने शुक्रवार को यह आरोप लगाया। देश भर में इस तरह की हिंसा पर नजर रखने वाले संगठन 'सूडान डॉक्टर्स नेटवर्क' ने अर्द्धसैनिक 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज' (आरएसएफ) से जुड़े लड़ाकों पर आरोप लगाया कि उन्होंने बृहस्पतिवार को उत्तरी कोर्डोफान में बराह कस्बे के पश्चिम में स्थित अल-मुर्रा इलाके के गांवों पर हमला किया।

30-05-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे | 31-05-2026 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
74,775.74	23,547.75
(-1,092.05)	(-359.40)

सोना	चांदी
16,231 रु.	276,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अदब और कायदा

हम भूल गए अब अदब,
सदन की मर्यादाएं चूर-चूर।
सब देख रहे इक दूजे को,
जानी दुश्मन से घूर-घूर।
किन शब्दों से बोलें कैसे,
मन के भावों को पूर-पूर।
हम भटक रहे हैं राहों से,
मंजिल अब भी है दूर-दूर।।

जन्मभूमि के ऋण से मुक्त होना ही सच्ची देशभक्ति : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मऊ(उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि जन्मभूमि के ऋण से मुक्त होना ही सच्ची देशभक्ति है। उन्होंने मऊ जिले के ताजोपुर गांव में ग्रामीण सैनिक अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर यह बात कही।

एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना और विभिन्न संस्थानों में वर्षों सेवा देने के बाद ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह का अपने गांव लौटकर वहां अस्पताल, नर्सिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, आईटीआई और सैनिक पब्लिक स्कूल जैसे संस्थानों की स्थापना करना पूरे देश के लिए प्रेरणा का विषय है।

आदित्यनाथ ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि लंका विजय के बाद जब लक्ष्मण ने स्वर्णमयी लंका की समृद्धि की चर्चा की थी, तब भगवान श्रीराम ने कहा था, अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी। यानी सोने से बनी हुई यह लंका भी मुझे आकर्षित नहीं करती, क्योंकि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी अधिक श्रेष्ठ और महान हैं।

मुख्यमंत्री ने इसे भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन बताते हुए कहा कि चाहे व्यक्ति कितना भी बड़ा क्यों न बन जाए, उसकी जन्मभूमि और मातृभूमि से बड़ा कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ब्रिगेडियर डॉ. पी.एन. सिंह ने इसी आदर्श को अपने जीवन में उतारा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांव लौटकर ब्रिगेडियर सिंह ने जिस प्रकार स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के केंद्र खड़े किए हैं, वह ग्रामीण भारत के लिए विकास का आदर्श मॉडल है।

राज्य कम बारिश के अनुमान से निपटने के लिए तैयार रहें : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्य सरकारों से कहा कि वे अल नीनो के खतरे और इस साल मॉनसून के सामान्य से कम रहने के अनुमान के साथ अन्य चुनौतीपूर्ण मौसम स्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहें।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस साल सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय किसी भी स्थिति से निपटने के लिए आकस्मिक योजनाएं बना रहा है। आने वाले खरीफ (गर्मी में बोई जाने वाली फसल) मौसम के दौरान मांग को पूरा करने के लिए बीज और उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है। यह मौसम जून में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगमन के साथ शुरू होगा। उन्होंने 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन - खरीफ अभियान 2026' के समापन दिवस पर संवाददाताओं से कहा, ''हम अल-नीनो की घटना पर नजर रख रहे हैं। अभी हम पूरी तरह से निश्चित नहीं हैं, लेकिन अगर ऐसी कोई स्थिति पैदा होती है और अगर मॉनसून में कोई देरी होती है या बारिश में कोई अंतराल आता है, तो हम उससे निपटने की तैयारी कर रहे हैं।''

अल नीनो एक मौसम प्रतिरूप है जो पूर्वी प्रशांत महासागर में सतह के पानी के असामान्य रूप से गर्म होने के कारण बनता है। यह वैश्विक मौसम को बाधित करता है और आमतौर पर भारत में कमजोर मॉनसून और सूखे का कारण बनता है।

चौहान ने कहा कि उनका मंत्रालय किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

एक सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने ''राज्यों से भी आग्रह किया कि वे जिला स्तर पर कम बारिश या अन्य चुनौतीपूर्ण स्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहें।''

प्रधानमंत्री को सिर्फ अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की गड़बड़ी पर चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किया जाना यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है, लाखों छात्रों के भविष्य की नहीं।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह पहले दिन से ही सीबीएसई की 'ऑन-स्क्रीन मार्किंग' (ओएसएम) और 'सीओईएमपीटी' को अनुबंध दिए जाने के मामले में स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं, क्योंकि देश के युवाओं को सच जानने का अधिकार है।

गांधी ने मीडिया की खबरों को साझा किया और लोगों से उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ने का आह्वान किया।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ''सीबीएसई ने ओएसएम निविदाएं तीन बार आमंत्रित कीं। पहली बार एक भी बोली नहीं लगी। दूसरी बार कोई भी बोलीदाता पात्र नहीं पाया गया। और अंततः, तकनीकी मानकों को तब तक कमतर किया गया जब तक कि 'सीओईएमपीटी' उन्हें पार नहीं कर गई। स्कैनिंग रेजोल्यूशन कम कर दिया गया। रोबोटिक स्कैनर की अनिवार्यता हटा दी गई। सीएमएमआई प्रमाणन स्तर-5 से घटाकर स्तर-3 कर दिया गया। उत्तर पुस्तिकाओं में त्रुटियों के लिए जुर्माने के प्रावधान भी हटा दिये गए।''

सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुज/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ''क्षेत्रीय सुरक्षा'' की एक नई अवधारणा पेश कर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सीमा सुरक्षा अवधारणा को पूरी तरह से बदलने के लिए काम कर रही है तथा इस ''क्षेत्रीय सुरक्षा'' में प्राथमिक जिम्मेदारी बीएसएफ कर्मियों के साथ-साथ जनता, नागरिक प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना के बीच साझा करना शामिल है।

शाह ने गुजरात के सीमावर्ती जिले कच्छ के अपने दौरे के दौरान सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कर्मियों के साथ अपनी बातचीत में कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार एक 'खामीरहित सुरक्षा ग्रिड' का निर्माण कर रही है और जहां बाड़ लगाना मुश्किल है, वहां तकनीकी बाड़ लगाकर एक अभेद्य सुरक्षा घेरा स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि ड्रोन, रडार, निगरानी टावरों और आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए, मोदी सरकार एक ऐसा आधुनिक सुरक्षा ग्रिड बना रही है जो इतना मजबूत होगा कि कोई भी सीमा का उल्लंघन करने की हिम्मत नहीं करेगा।

शाह ने कहा, ''बीएसएफ की स्थापना के 60वें वर्ष में बीएसएफ की सीमा सुरक्षा अवधारणा को पूरी तरह से बदलने का निर्णय लिया गया है। आने वाले दिनों में, हम एक चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड स्थापित करेंगे और केवल सीमा सुरक्षा के पारंपरिक दृष्टिकोण के स्थान पर 'क्षेत्रीय सुरक्षा' की एक नई अवधारणा पेश करेंगे।'' उन्होंने कहा कि इस पहल में बीएसएफ कर्मियों के साथ-साथ जनता, नागरिक प्रशासन, स्थानीय पुलिस और सेना की भी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। उन्होंने 'स्मार्ट बॉर्डर सिक्योरिटी प्रोजेक्ट' की भी चर्चा की और कहा कि सीमाओं पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास जारी हैं।

शाह ने कहा कि इस परियोजना में हजारों करोड़ रुपये का निवेश शामिल है । उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ड्रोन, रडार, निगरानी टावर, अत्याधुनिक तकनीक और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती से एक मजबूत सुरक्षा तंत्र का निर्माण होगा।

- ड्रोन, रडार, निगरानी टावरों और आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए, मोदी सरकार एक ऐसा आधुनिक सुरक्षा ग्रिड बना रही है जो इतना मजबूत होगा कि कोई भी सीमा का उल्लंघन करने की हिम्मत नहीं करेगा।
- आने वाले दिनों में, हम एक चतुष्कोणीय सुरक्षा ग्रिड स्थापित करेंगे और केवल सीमा सुरक्षा के पारंपरिक दृष्टिकोण के स्थान पर 'क्षेत्रीय सुरक्षा' की एक नई अवधारणा पेश करेंगे।''

10 लाख रुपए का इनामी

पीएलएफआई का 'मुख्य कमांडर' गिरफ्तार

रांची/भाषा। झारखंड पुलिस ने प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के मुख्य कमांडर को गिरफ्तार किया है, जिस पर दस लाख रुपए का इनाम था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी अमृत होरो (34), उर्फ मेचो उर्फ सूर्या को बृहस्पतिवार को रांची जिले के लापुंग पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत महूगांव वन क्षेत्र में छापेमारी के दौरान गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिली थी कि वह कुछ साथियों के साथ वहां अपराध को अंजाम देने के लिए एकत्र हुआ था। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने बताया, सूचना के आधार पर, त्वरित प्रतिक्रिया दल और अन्य पुलिस कर्मियों को मिलाकर बनाए गए एक विशेष दस्ते ने छापा मारा और इलाके की घेराबंदी कर होरो को गिरफ्तार कर लिया गया।'' रंजन ने बताया, ''होरो पर पर 10 लाख रुपए का इनाम था और चाईबासा, खूंटी, गुमला और रांची सहित कई जिलों में उसके खिलाफ कम से कम 50 आपराधिक मामले लंबित हैं। एसएसपी ने बताया कि उसके पास से एक स्वचालित पिस्तौल, चार कारतूस, तीन मोबाइल फोन और संगठन का एक पर्चा बरामद किया गया है। अधिकारी ने बताया कि दिनेश गोप की गिरफ्तारी और मुठभेड़ में मार्टिन केरकेट्टा के मारे जाने के बाद, होरो प्रतिबंधित संगठन का नेतृत्व कर रहा था। उन्होंने होरो की गिरफ्तारी को पीएलएफआई के ताबूत में आखिरी कील बताया।

पिंपरी चिंचवड व पुणे में जहरीली शराब से 14 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। पिंपरी चिंचवड और पुणे शहर में संदिग्ध नकली शराब पीने से कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई है और पुलिस ने इस सिलसिले में एक मुख्य तस्कर सहित आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना को बेहद गंभीर बताया और कहा कि नकली शराब की आपूर्ति में शामिल पूरे नेटवर्क की पहचान कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस पूरी घटना की जांच 'अपराध जांच विभाग' (सीआईडी) को सौंप दी गई है।

पिंपरी चिंचवड के फुगेवाड़ी इलाके में 10 लोगों की मौत हो गई, जबकि पुणे के हडपसर स्थित पांढरे मला क्षेत्र में चार अन्य लोगों की संदिग्ध जहरीली शराब के सेवन से जान चली गई। पुलिस ने बताया कि जहरीली शराब पीने के संदेह में पांच अन्य पुरुषों का पिंपरी चिंचवड़ के एक अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है।

भारत में टेस्ला का विस्तार जारी, मॉडल वाई प्रीमियम पेश

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी वाहन विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने भारत में विस्तार को जारी रखते हुए शुक्रवार को अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वाई प्रीमियम रियर-व्हील ड्राइव (2026 संस्करण) पेश की। इसकी कीमत 50.89 लाख रुपए रखी गई है। यह भारत में कंपनी का अब तक का सबसे सस्ता मॉडल है। इससे पहले कंपनी ने पिछले महीने छह-सीट वाली एसयूवी मॉडल वाईएल (कीमत 61.99 लाख रुपए) भारत में पेश की थी। टेस्ला ने पिछले वर्ष भारत में बहुप्रतीक्षित प्रवेश करते हुए मॉडल वाई को 59.89 लाख रुपए की कीमत पर पेश किया था। कंपनी की वरिष्ठ निदेशक इसाबेल फैन ने बयान में कहा, '' टेस्ला भारत में बेहतर इलेक्ट्रिक वाहन अनुभव के लिए निवेश जारी रखेगी। जल्द ही अधिक रिटेल नेटवर्क, बिक्री के बाद सेवाएं और चार्जिंग स्थान उपलब्ध होंगे।''

रेल मंत्रालय ने जताई आशंका

ट्रेन में आग की बढ़ती घटनाओं के पीछे असामाजिक तत्वों का हाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/पणजी/भाषा। रेलवे ने एक आंतरिक जांच के हवाले से संदेह जताया है कि ट्रेन के डिब्बों के अंदर आग लगने की बढ़ती घटनाओं के पीछे असामाजिक तत्वों का हाथ हो सकता है।

रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि हाल में विभिन्न ट्रेनों में आग लगने की घटनाओं की प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता और यात्रियों की गैर-जिम्मेदाराना गतिविधियों के संकेत मिले हैं।

अधिकारी ने कहा, आज ट्रेन संख्या 17642 नरखेड़-काचीगुड़ा एक्सप्रेस के डी-5 कोच के शौचालय में हिंगोली स्टेशन पर आग लगने की घटना सामने आई। यह ट्रेन नांदेड़ मंडल के अंतर्गत संचालित होती है। उन्होंने कहा, घटना की सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और परिचालन कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई की तथा अग्निशामक यंत्रों की मदद से आग पर जल्दी काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में साजिश और असामाजिक तत्वों की संभावित संलिप्तता के संकेत मिले हैं।

रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य घटना में ट्रेन संख्या 18207 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस में लगी आग की चेतावनी का कारण एक कोच के शौचालय में मिले बीड़ी के जले हुए टुकड़ों को पाया गया। अधिकारियों ने कहा, ट्रेन में तैनात सफाई कर्मचारियों के अनुसार एम-1 कोच के शौचालय में जली हुई बीड़ी के टुकड़े मिले थे।

आरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने इन घटनाओं को गंभीरता से लिया है और विस्तृत जांच जारी है। रेलवे कर्मचारियों की तत्परता और त्वरित कार्रवाई से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई तथा स्थिति पर जल्दी काबू पा लिया गया। उन्होंने कहा, यात्रियों से सतर्क रहने, ट्रेनों में धूम्रपान नहीं करने, ज्वलनशील पदार्थ साथ नहीं रखने या उनका इस्तेमाल नहीं करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे अधिकारियों या 139/रेल मदद के जरिए देने का अनुरोध किया जाता है।

वहीं, गोवा में कोंकण रेलवे नेटवर्क पर मडगांव के पास एक यार्ड में खड़ी ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। हालांकि, डिब्बा खाली होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ।

कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उप महाप्रबंधक बाबन घाटगे ने संवाददाताओं को बताया कि आग दोपहर करीब 2:50 बजे लगी थी, जिस पर बाद में अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाओं ने काबू पा लिया। उन्होंने बताया, यह द्वितीय श्रेणी का लगेज कोच है, जिसका इस्तेमाल आमतौर पर गार्ड द्वारा किया जाता है। डिब्बे में कोई मौजूद नहीं था, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ।

रॉयल्स को हराकर गुजरात फाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। शुभमन गिल के शानदार शतक ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स और वैभव सूर्यवंशी के शानदार सफर का अंत कर दिया और सात विकेट से जीत दर्ज करके गुजरात टाइटंस ने तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली जहां सामना मौजूदा चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा।

इस सत्र में नित नया इतिहास रचने वाले वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर 47 गेंद में 96 रन की पारी खेली और आखिरी ओवर में डोनोवन फरेरा ने राशिद खान को चार छक्के जड़कर राजस्थान रॉयल्स को छह विकेट पर 214 रन तक पहुंचाया।

जवाब में गिल और साइ सुदर्शन ने पहले विकेट के लिये 77 गेंद में 167 रन की साझेदारी करके मैच को रॉयल्स की जद से बाहर कर दिया और गुजरात ने आठ गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की।

गिल ने 53 गेंद में 15 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 104 रन बनाये जबकि सुदर्शन ने 32 गेंद में 58 रन बनाये जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल था। सुदर्शन एक बार फिर अजीब ढंग से हिट विकेट होकर लौटे।

गुजरात का सामना रविवार को अहमदाबाद में आरसीबी से होगा जिसने उसे धर्मशाला में हराया था। पहली बार 2022 में आईपीएल खेलकर खिताब जीतने वाली गुजरात का यह तीसरा फाइनल है।

राजस्थान के लिये अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को पावरप्ले में विकेट नहीं मिली और बाकी गेंदबाजों ने निराश किया।

गिल और सुदर्शन ने खालिस क्रिकेट शॉट खेलते हुए भी तेजी से रन बनाये। विश्व कप टीम से बाहर रहे गिल ने अपनी इस पारी के दम पर भारत की टी20 टीम में वापसी का दावा पुख्ता कर दिया है।

एलपीजी के लिए 30 दिनों की जरूरत का रणनीतिक भंडार बनाने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे एलपीजी (रसोई गैस) का इतना भंडारण तैयार करें कि कम से कम 30 दिनों की मांग पूरी की जा सके। यह कदम पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने के बाद उठाया गया है।

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा कि सरकार रणनीतिक भंडारण को मजबूत करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों को कम-से-कम 30 दिन की एलपीजी जरूरत को पूरा करने के लिए अतिरिक्त भंडारण की योजना बनाने को कहा गया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। फरवरी अंत में पश्चिम एशिया में संघर्ष छिड़ने के कारण भारत की ऊर्जा आपूर्ति पर असर देखने को मिला है। इसकी वजह यह है कि भारत में कच्चे तेल का करीब 40 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस का 65 प्रतिशत और एलपीजी का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा खाड़ी देशों से आता है। शर्मा ने कहा कि भारत कच्चे तेल के भंडारण की क्षमता बढ़ाने पर भी काम कर रहा है। हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

सरकार ने कहा कि फिलहाल देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं। एलपीजी उत्पादन भी लगभग 52,000 टन प्रतिदिन के रिकॉर्ड स्तर पर है। शर्मा ने कहा कि देश में किसी भी एलपीजी वितरक पर आपूर्ति बाधित होने की स्थिति नहीं पैदा हुई है। हालांकि कई पेट्रोल पंपों पर 'असामान्य' बिक्री देखी जा रही है। पेट्रोल और डीजल की बिक्री में कई जिलों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। इसका कारण कृषि मांग और निजी तेल खुदरा विक्रेताओं की तुलना में सरकारी कंपनियों की कीमतों का अंतर भी है।

राजनाथ सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित एक स्मारक पुस्तक का शुक्रवार को विमोचन किया, जिसमें पिछले वर्ष हुए इस निर्णायक सैन्य अभियान में शामिल 100 अधिकारियों, नाविकों और वायु सैनिकों की व्यक्तिगत गवाही को संकलित किया गया है।

सिंह ने इस अभियान को अभूतपूर्व सफलता बताते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान को चार दिनों के भीतर संघर्षविराम की मांग करने के लिए मजबूर कर दिया था। रक्षा मंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह भारत द्वारा अब तक लड़े गए सभी युद्धों से अलग था। स्मारक प्रकाशन ऐतिहासिक विवरण से परे जाकर बहादुर सैनिकों के व्यक्तिगत अनुभवों को भी दर्शाता है। यह आधुनिक युद्ध के मानवीय आयाम की भी जानकारी देता है, जहां नेतृत्व, साहस, दबाव में निर्णय लेने की क्षमता और प्रतिबद्धता रणनीति को सफलता में बदल देती है।'' उन्होंने यहां विमोचन समारोह की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जो प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह की उपस्थिति में आयोजित हुआ। मंत्रालय ने कहा, ''यह विवरण सेना के तीनों अंगों के साथ-साथ मुख्यालय, इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ से भी जुड़े हैं और इसमें कॉम्बैट एविएटर, नेवल वॉचकीपर, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल टीम, विशेष बलों के ऑपरेटर, सिग्नल कर्मी, लॉजिस्टिक्स, चिकित्सा अधिकारी तथा संयुक्त और एकीकृत संगठनों के कर्मी शामिल हैं, जिन्होंने मिलकर इस अभियान को सफल बनाया।'' यह पुस्तक सीडीएस के मार्गदर्शन में संकलित की गई है।

सिंह ने अपने पोस्ट में कहा कि यह दस्तावेज़ इस अभियान को अंजाम देने वाले कर्मियों के प्रति एक सम्मान है और यह हमें हमारे सैनिकों के समर्पण और धैर्य से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को इस पुस्तक से प्रेरणा लेनी चाहिए।

पीएम सूर्य घर

मुफ्त बिजली योजना के तहत 40 लाख घरों में सौर प्रणाली लगाए गए : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' के तहत कुल 40 लाख घरों में सौर प्रणाली लगाए गए हैं।

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री (एमएनआरई) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि यह योजना नागरिकों को बिजली के उपभोक्ता से बिजली का उत्पादक बना रही है। जोशी ने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री 'नरेन्द्रमोदी जी के नेतृत्व में, पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना' के तहत अब 40 लाख घरों में रूफटॉप सौर प्रणाली लगाये गए हैं।'' उन्होंने कहा कि यह योजना परिवारों को बिजली का खर्च कम करने, सरकारी सब्सिडी का लाभ उठाने और बिजली के बिल को शून्य करने की दिशा में आगे बढ़ने में भी मदद कर रही है। फरवरी 2024 में शुरू की गई 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' (पीएमएसजी: एमबीवाई) का लक्ष्य मार्च 2027 तक एक करोड़ घरों में 'रूफटॉप' सौर प्रणाली लगाना है।

पंजाब निकाय चुनाव में जनता ने विपक्ष की नफरत की राजनीति को हराया : मुख्यमंत्री मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को नगर निकाय चुनावों में बड़ी संख्या में वार्डों में आम आदमी पार्टी (आप) की जीत और कई अन्य वार्डों में आगे रहने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने 'विपक्ष की नफरत की राजनीति' को परास्त कर सत्ताधारी पार्टी की विकासवादी राजनीति का समर्थन किया है। पंजाब में नगर निकाय चुनावों के लिए मतगणना जारी है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने 1,977 वार्डों में से 860 से अधिक वार्डों में जीत हासिल की और कई अन्य वार्डों में आगे है।

मान ने शुक्रवार शाम यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए परिणामों और रुझानों पर टिप्पणी करते हुए कहा, पंजाब की जनता ने नफरत की राजनीति को परास्त कर विकासवादी राजनीति का समर्थन किया है। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति करने वाली पार्टियों को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने 'आप' सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का समर्थन किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, गर्म मौसम में भी कतारों में खड़े होकर लोग मतदान करने आए। मान ने कहा कि 2022 विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल करने के बाद 'आप' के सत्ता में आने के बाद यह पहला चुनाव नहीं था।

उन्होंने कहा कि 'आप' ने पंचायत चुनाव, विधानसभा उपचुनाव या लोकसभा उपचुनाव, हर चुनाव में जीत हासिल की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर बार 'मीडिया में मेरे दोस्त' इन चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले का सेमीफाइनल करार देते हैं।

भारत एआई प्रदर्शन में वैश्विक स्तर पर चौथे, डिजिटल अर्थव्यवस्था रैंकिंग में पांचवें स्थान पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है और कृत्रिम मेधा (एआई) प्रदर्शन के मामले में वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर है। 'आईसीआरआईईआर-प्रोसस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकोनॉमी' (आईपीसीआईडीई) द्वारा शुक्रवार को जारी 'स्टेट ऑफ इंडिया'स डिजिटल इकोनॉमी (एसआईडीई) 2026' नामक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। यह रिपोर्ट 71 देशों के मानकों पर आधारित है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत एआई प्रतिस्पर्धा में जर्मनी, फ्रांस, जापान, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों से आगे निकल गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था के मामले में पांचवें स्थान पर है और 'सीएचआईपीएस-एआई' सूचकांक में चौथे स्थान पर है।

रिपोर्ट में वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में आए एक बुनियादी बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा गया है, अब दुनिया भर के कुल एआई उपयोगकर्ताओं में से 72 प्रतिशत विकासशील देशों में हैं। इनमें भी अकेले भारत और चीन मिलकर वैश्विक स्तर पर एआई अपनाने के मामले में लगभग दो-तिहाई योगदान दे रहे हैं।

केरल राज्यपाल ने वंदे मातरम के अधूरे पाठ पर नाराजगी जताई

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अनिवार्य नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने शुक्रवार को अपने अभिभाषण से पहले राज्य विधानसभा में वंदे मातरम का पूर्ण गायन न होने पर नाराजगी व्यक्त की, जबकि मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने कहा कि राष्ट्रगीत का पूर्ण गीत गाना अनिवार्य नहीं है।

आर्लेकर ने दावा किया कि राज्यपाल के ऐसे समारोहों में शामिल होने पर उचित प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए। केरल विधानसभा में राज्यपाल संबोधन से पहले और बाद में एक बैंड टीम ने वंदे मातरम के शुरुआती अंतरों की धुन बजायी। राज्य विधानसभा से लौटने के बाद लोकभवन में पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सदन में उनकी उपस्थिति के दौरान वंदे मातरम को पूर्ण रूप से गाए जाने पर जोर दिया गया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गीत (की धुन को) केवल बजाया गया, गाया नहीं गया। आर्लेकर ने कहा कि उन्होंने इस मामले पर विधानसभा अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन से पहले ही बात कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि इस मुद्दे का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा, देखते हैं आगे क्या होता है। बाद में, यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, सतीशन ने कहा कि वंदे मातरम का पूर्ण पाठ करना अनिवार्य नहीं है क्योंकि इस संबंध में संसद द्वारा कोई कानून पारित नहीं किया गया है। सतीशन पत्रकारों के उन सवालों का जवाब दे रहे थे जिनमें उन्होंने राष्ट्रीय गीत के अधूरे गायन को लेकर आर्लेकर की नाराजगी पर उनके विचार पूछे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और उसका यूडीएफ गठबंधन एक राजनीतिक विचारधारा के ढांचे के भीतर काम करते हैं और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निर्णयों के अनुसार शासित होते हैं।

भारत में कचरा सबसे तेजी से बढ़ते उत्सर्जन स्रोतों में से एक है: रिपोर्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ठोस कचरे का आधा हिस्सा उपचारित न होकर डंपसाइट्स में जाने के कारण देश में अपशिष्ट (कचरा) क्षेत्र से होने वाला उत्सर्जन 2047 तक बढ़कर 119.5 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुंच सकता है। शुक्रवार को प्रकाशित एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि 1994 से 2020 के बीच अपशिष्ट क्षेत्र से होने वाले उत्सर्जन में 226 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे यह भारत के सबसे तेजी से बढ़ते उत्सर्जन स्रोतों में से एक बन गया है। दिल्ली स्थित थिंक टैंक 'काउंसिल ऑन एनर्जी', में प्रकाशित 'विकसित भारत के लिए जैविक कचरा परिपत्र अर्थव्यवस्था' नामक विश्लेषण के अनुसार, इस समस्या से निपटने का एक तरीका शहरी जैविक नगरपालिका कचरे का बेहतर प्रबंधन करना है। रिपोर्ट में कहा गया, ''भारतीय शहर वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 1,71,000 टन नगरपालिका ठोस कचरा उत्पन्न करते हैं, जिसमें से लगभग आधा जैविक कचरा होता है। वर्तमान में कुल नगरपालिका ठोस कचरे का लगभग 61 प्रतिशत उपचारित किया जाता है। वर्ष 2047 तक केवल शहरी जैविक नगरपालिका कचरा ही प्रतिवर्ष लगभग 20 करोड़ टन तक पहुंच सकता है।''

रिपोर्ट में कहा गया, ''यदि इस कचरे का प्रभावी ढंग से प्रसंस्करण किया जाए, तो इसे खाद, बायोगैस और बायोमीथेन में परिवर्तित किया जा सकता है। इससे पोषक तत्वों की पुनर्प्राप्ति, मीथेन उत्सर्जन में कमी, रासायनिक उर्वरकों के विकल्प का विकास और भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को सहयोग मिलेगा।''

अर्थव्यवस्था के समक्ष पश्चिम एशिया संकट से जुड़ी चुनौतियां, अल नीनो से कृषि उपज पर असर : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियां पैदा हो सकती हैं, जबकि 'अल नीनो' के मौसमी प्रभावों से कृषि उत्पादन पर असर पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह कहा।

हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनियों और बैंकों के मजबूत बहीखाते, पूंजीगत व्यय पर सरकार के निरंतर जोर और प्रमुख व्यापार साझेदारों के साथ व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन से निवेश और वृद्धि की रफ्तार बनी रहने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान आरबीआई के कामकाज को समाहित करने वाली इस रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू अर्थव्यवस्था ने बाहरी चुनौतियों के बावजूद जुझारूपन दिखाया, जिसे मजबूत निजी उपभोग, निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता से समर्थन मिला।

रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था का परिदृश्य सकारात्मक बना हुआ है, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़े जोखिम आर्थिक वृद्धि एवं मुद्रास्फीति पर दबाव डाल सकते हैं। कृषि क्षेत्र के बारे में आरबीआई ने कहा कि इसका प्रदर्शन दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति और उसके वितरण पर निर्भर करेगा। इस साल प्रतिकूल मौसमी स्थिति 'अल नीनो' बनने की संभावना कृषि उत्पादन के लिए नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकती है। भारतीय मौसम-विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने जून से सितंबर के दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान देश में वर्षा दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 90 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में सामान्य बारिश का अनुमान है, जबकि अन्य हिस्सों में सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। कीमतों में बढ़ोतरी पर यह रिपोर्ट कहती है कि पर्याप्त अनाज भंडार एवं जलाशयों के स्तर को देखते हुए 2026-27 में मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप रह सकती है। लेकिन वैश्विक कच्चे तेल और जिंस कीमतों में उछाल, आपूर्ति लागत में बढ़ोतरी और विनिमय दर में उतार-चढ़ाव जैसे कारक जोखिम पैदा कर सकते हैं।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई का बैलेंस शीट मार्च, 2026 को 91,97,121.08 करोड़ रुपए हो गया जबकि 31 मार्च, 2025 को यह 76,25,421.93 करोड़ रुपए था। इस तरह एक वित्त वर्ष में बैलेंस शीट में 15,71,699.15 करोड़ रुपए यानी 20.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई ने कहा कि परिसंपत्तियों में वृद्धि घरेलू निवेश, सोने और विदेशी निवेश में क्रमशः 44.9 प्रतिशत, 63.8 प्रतिशत और 7.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के कारण हुई।

नीट प्रश्न पत्र लीक मामला: फारूक अब्दुल्ला ने गहन जांच और दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्न पत्र लीक मामले की शुक्रवार को गहन जांच की मांग की और कहा कि जिन पांच राज्यों में प्रश्न पत्र लीक हुए, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार है। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूछा, अगर प्रणाली में खामियां न होतीं, तो क्या ऐसा होता? शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने परीक्षा के प्रश्न पत्र पहुंचाने के लिए सेना और भारतीय वायु सेना की मदद लेने की बात कही थी, जिसपर फारूक अब्दुल्ला प्रणाली में संभावित खामियों से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे।

अब्दुल्ला ने कहा कि जिन पांच राज्यों उत्तराखंड, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात में यह प्रश्न पत्र लीक हुआ, वहां भाजपा की सरकार है। उन्होंने कहा गहन जांच होनी चाहिए। जो भी इसमें शामिल हैं, उन्हें सजा मिलनी चाहिए क्योंकि हमारे बच्चे परेशान हो रहे हैं। बच्चों को दोबारा परीक्षा देनी होगी और वह भी इस भीषण गर्मी में जब कुछ जगहों पर तापमान 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। अल्लाह हम पर दया करें। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख ने जम्मू के राजौरी जिले में हुई मुठभेड़ के बारे में पूछे जाने पर कहा, यहां मुठभेड़ कब बंद हुई? उन्होंने कहा, बातचीत के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। आज तो अमेरिका भी बातचीत के जरिए समाधान तलाशना चाहता है। यह पूछने पर कि बातचीत किसके साथ होनी चाहिए, जम्मू-कश्मीर के तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अब्दुल्ला ने कहा, जिनके साथ हमारे मुद्दे हैं।

नीट प्रश्नपत्र लीक: उच्चतम न्यायालय ने जवाबदेही तय किये जाने पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी से संबंधित मूल समस्या तब तक समाप्त नहीं होगी जब तक ''वास्तविक जवाबदेही तय नहीं हो जाती''। उसने यह भी कहा कि हमें अपने युवाओं को निराश नहीं करना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि सरकार युवाओं की चिंताओं को लेकर गंभीर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, ताकि ''कोई खामी न रह जाए''।

मेहता ने न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ को बताया कि 21 जून को होने वाली नीट-यूजी परीक्षा के लिए कुछ नई व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। पीठ ने कहा, ''जब तक वास्तविक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक असल समस्या का समाधान नहीं होगा।'' उच्चतम न्यायालय इस मुद्दे पर दाखिल याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था। इन याचिकाओं में से एक में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का पुनर्गठन या प्रतिस्थापन करने और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) आयोजित करने के वास्ते एक मजबूत एवं स्वायत्त प्रणाली बनाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

पीठ ने कहा यदि ऐसा कुछ होता है, तो यह न केवल विद्यार्थियों बल्कि उनके परिवारों के लिए भी ''वास्तव में बहुत दुखद'' होता है। उसने कहा, ''जवाबदेही तभी प्रभावी होगी जब आपको पता हो कि जिम्मेदारी किसके कंधों पर है।'' मेहता ने कहा कि यह मुद्दा युवाओं से संबंधित है और सरकार उनकी चिंताओं को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा, ''21 जून को होने वाली परीक्षा के लिए कुछ नई व्यवस्थाएं भी की गई हैं। इसके बारे में अभी खुलासा करना उचित नहीं होगा, अन्यथा इसका मूल उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। इसकी निगरानी उच्चतम स्तर पर की जा रही है।'' मेहता ने कहा, ''प्रधानमंत्री स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई खामी न रह जाए।'' पीठ ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का उदाहरण देते हुए कहा कि आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में कभी भी प्रश्नपत्र लीक जैसी स्थिति नहीं हुई और एनटीए को अन्य संस्थानों से सीखने की जरूरत है। पीठ ने कहा, ''अगर इस तरह की कोई घटना घटती है तो यह न केवल विद्यार्थियों के लिए बल्कि उनके परिवारों और सभी के लिए बहुत ही दुखद होती है।''

वैवाहिक विवादों में झूठे मामले दायर करने की प्रवृत्ति पर न्यायालय ने चिंता जतायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को वैवाहिक और वाणिज्यिक विवादों में शामिल पक्षकारों द्वारा व्यक्तिगत हिसाब चुकता करने के लिए 'तुच्छ और परेशान करने वाले' आपराधिक मामले दायर करने की चिंताजनक प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालतों को ऐसे मामलों के प्रति सतर्क रहना चाहिए और उनकी पड़ताल सावधानीपूर्वक करनी चाहिए।

परेशान करने के लिए बिना ठोस आधार वाले मुकदमे दायर करने की बढ़ती प्रवृत्ति पर ये टिप्पणियां न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने एक फैसले में कीं। पीठ ने अपने इस फैसले में उस आपराधिक शिकायत को रद्द कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि 14 वर्षीय एक किशोरी के साथ उसके पिता और चाचा ने बलात्कार किया था। पचास पृष्ठों का फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति की ओर ध्यान आकृष्ट करना चाहते हैं, जो हमारे संज्ञान में आई है। वैवाहिक या वाणिज्यिक संबंधों में शामिल पक्षकार आपसी दुश्मनी और व्यक्तिगत हिसाब चुकता करने के लिए आपराधिक प्रकृति के तुच्छ और परेशान करने वाले दावे और आरोप लगाने का सहारा ले रहे हैं और इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कुत्सित/अनैतिक साधनों का सहारा ले रहे हैं।'' इसमें कहा गया है कि पति-पत्नी के बीच इस तरह के अस्पष्ट और परेशान करने वाले मुकदमों से अदालतों का दुरुपयोग हो रहा है और उन पर बोझ बढ़ रहा है, क्योंकि कई बार बदला लेने के लिए कानून और पुलिस का सहारा अप्रत्यक्ष या गलत तरीके से दूसरे जीवनसाथी और उनके परिवार के सदस्यों को परेशान करने, उन पर दबाव डालने और उन्हें प्रताड़ित करने के लिए लिया जाता है।''

मामले के तथ्यों का हवाला देते हुए, अदालत ने कहा कि आरोपी पिता और अलग रह रही उसकी पत्नी, जो कथित पीड़िता की मां है, के बीच वैवाहिक विवाद जारी था और दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ लगभग 10 मामले दायर किये थे। प्राथमिकी रद्द करते हुए, फैसले में बलात्कार की शिकायत के पक्ष में प्रस्तुत साक्ष्यों की पड़ताल की गई और कहा गया कि इसमें झूठे, निराधार और परेशान करने वाले आरोप शामिल हैं।

अन्नाद्रमुक में सुलह के बाद वेलुमणि अपने निर्वाचन क्षेत्र पहुंचे, षणमुगम का रुख अभी तक स्पष्ट नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई. के. पलानीस्वामी का नेतृत्व स्वीकार करने और मिलकर काम करने का ऐलान करने के बाद पार्टी नेता एस. पी. वेलुमणि ने अपने विधानसभा क्षेत्र थोंडामुथुर का दौरा किया और वहां की जनता का उन्हें चुनने के लिए आभार जताया। हालांकि, वहीं एक अन्य बागी नेता सी. वे. षणमुगम ने अभी तक अपना रुख साफ नहीं किया है।

षणमुगम 27 मई को सुलह बैठक के लिए वेलुमणि और अन्य बागी विधायकों के साथ पलानीस्वामी से मिलने नहीं गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता अपने विधानसभा क्षेत्र मैलम की जनता से मिलना और उन्हें विधायक चुनने के लिए धन्यवाद देना है। उन्होंने ने शुक्रवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे के दौरान कहा कि उनका कर्तव्य जनता की सेवा करना है और वह पूरी निष्ठा के साथ विधायक के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगे। षणमुगम ने उन्हें विधायक चुनने के लिए मतदाताओं का आभार जताया और कहा कि किसी भी तरह की मदद के लिए लोग बिना किसी झिझक के उनसे संपर्क करें। उन्होंने ने कहा, ''अपनी क्षमता के दायरे में मैं आपकी मदद के लिए हरसंभव प्रयास करने को तैयार हूं।''

हालांकि, उन्होंने 13 मई को विधानसभा में की गई अपनी 'क्रॉस-वोटिंग' या फिर 'क्रॉस-वोटिंग' करने वाले उनके सहयोगी एस. पी. वेलुमणि व पार्टी के अन्य विधायकों के जरिए पलानीस्वामी के साथ हुए सुलह प्रयासों का कोई जिक्र नहीं किया।

अन्नाद्रमुक के करीब 25 बागी विधायकों ने पार्टी के निर्देशों को अनदेखा करते हुए सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के पक्ष में वोट किया था, जिसके बाद पार्टी में विभाजन की स्थिति पैदा हो गई।

इनमें से चार विधायकों ने विधायक पद से इस्तीफा देने के कुछ ही घंटों के भीतर टीवीके का दामन थाम लिया, जिससे अन्नाद्रमुक के टिकट पर जीत हासिल करने के बाद टीवीके में शामिल होने को लेकर राजनीतिक नैतिकता पर बहस छिड़ गई।

इससे पूर्व, अपने क्षेत्र के लिए रवाना होते समय षणमुगम ने संवाददाताओं से कहा, ''मैलम के लोगों का शुक्रिया अदा करना मेरा पहला काम है।''

ऐसी भी खबरें हैं कि वह और पूर्व मंत्री डॉ. सी. विजयाभास्कर इस्तीफा देकर सत्तारूढ़ टीवीके में शामिल हो सकते हैं।

विजयाभास्कर उन बागी विधायकों में शामिल हैं जिन्होंने पूर्व मंत्रियों षणमुगम और वेलुमणि की अगुवाई में 13 मई को विधानसभा में हुए विश्वास मत के दौरान टीवीके सरकार के पक्ष में वोट दिया था।

बुधवार को बागी विधायक यहां पलानीस्वामी के आवास पर उनसे मिले और सुलह कर ली। षणमुगम को छोड़कर बाकी सभी बागी विधायकों ने पलानीस्वामी के नेतृत्व में काम करने पर सहमति जताई।

विजयाभास्कर ने 28 मई को सबको चौंकाते हुए अपने समर्थकों के साथ एक विचार-विमर्श बैठक की। बाद में उन्होंने ऐलान किया कि उनका अगला राजनीतिक कदम उनके समर्थकों और विरालिमलई विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं की इच्छा के अनुसार होगा।

वेलुमणि ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा, ''थोंडामुथुर विधायक के रूप में पदभार संभालने के बाद मैंने अविनाशी रोड पर क्रांतिकारी नेताओं अम्मा (दिवंगत मुख्यमंत्री जे. जयललिता), एमजीआर (एम. जी. रामचंद्रन) और अन्ना (पूर्व मुख्यमंत्री सी. एन. अन्नादुरई) की प्रतिमाओं पर माला चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। थोंडामुथुर क्षेत्र और कोयंबटूर जिले की उस जनता का मैं दिल से आभारी हूं जो हमेशा मुझे अपने बच्चे की तरह मानती है और जो मेरी जान से भी बढ़कर है। मैं वादा करता हूं कि उनकी सेवा हमेशा करता रहूंगा।''

'अन्नाद्रमुक में सेंध लगाने की कोशिश की तो 'राजनीतिक परिणाम' भुगतने होंगे'

मदुरै/भाषा। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नेता आर बी उदयकुमार ने शुक्रवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता आधव अर्जुन के उस दावे को खारिज कर दिया कि द्रविड़ पार्टी के 90 प्रतिशत कार्यकर्ता विजय के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। उदयकुमार ने चेतावनी दी कि अगर अन्नाद्रमुक के कार्यकर्ताओं को तोड़ने की कोशिश जारी रही तो इसके गंभीर ''राजनीतिक परिणाम'' होंगे। उदयकुमार ने कहा, ''मैं आपको (अर्जुन) यह अंतिम चेतावनी देता हूं। यदि आप हमारे लोगों को अपने पाले में करने का काम और सत्ता देने का यह नाटक जारी रखते हैं तो आपको गंभीर राजनीतिक परिणामों और भारी राजनीतिक विरोध का सामना करना पड़ेगा।''

अर्जुन को बिना किसी स्थिर वैचारिक आधार के ''हाल में राजनीति में आया व्यक्ति'' बताते हुए पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि टीवीके बड़ी आक्रामकता से धन बल और प्रशासनिक प्रलोभनों से विश्वासपात्र विपक्षी कार्यकर्ताओं को खरीदने की कोशिश कर रही है। चुनावी गणित पर प्रकाश डालते हुए उदयकुमार ने बताया कि तमिलनाडु की कुल मतदाता आबादी में से 68.5 प्रतिशत ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के खिलाफ मतदान किया। उन्होंने टीवीके की आलोचना करते हुए कहा कि उसने अन्ना द्रमुक के खिलाफ ''निराशा की मरीचिका'' (भ्रम) पैदा की है, जबकि वास्तविकता है कि टीवीके ने केवल सत्ता-विरोधी भावना का 34.5 प्रतिशत हिस्सा ही हासिल किया है, जो पूर्ण अधिकार या राज्य शासन का दावा करने के लिए किसी भी तरह से जनादेश के करीब नहीं है।

कल्याणकारी उपायों, पारदर्शी शासन पर सरकार का फोकस : केरल के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि नवगठित यूडीएफ सरकार इंदिरा गारंटी, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के पांच चुनावी वादों को लागू करने, राज्य की वित्तीय स्थिति के बारे में जनता को सूचित करके पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने एवं मादक द्रव्यों के खिलाफ कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है। केरल की 16वीं विधानसभा का पहला सत्र शुक्रवार को राज्यपाल आर्लेकर के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ।

आर्लेकर ने अपने नीतिगत अभिभाषण में कहा कि राज्य की वास्तविक वित्तीय स्थिति, जिसमें उसकी देनदारियां और दायित्व शामिल हैं, के बारे में लोगों को स्पष्टता प्रदान करने के लिए एक श्वेत पत्र जारी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गारंटी योजना को लागू करने के लिए कदम उठाए जा चुके हैं, जिसकी शुरुआत 15 जून से केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा से होगी। उन्होंने बुजुर्गों के कल्याण के लिए एक समर्पित विभाग की स्थापना की भी घोषणा की। इंदिरा गारंटी के तहत जारी पांच कल्याणकारी योजनाओं में छात्राओं के लिए 1,000 रुपए का वजीफा और परिवारों के लिए मुफ्त बीमा योजना शामिल है।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य की सार्वजनिक वित्तीय स्थिति गंभीर दबाव में है और सरकार ने वित्तीय स्थिति पर एक 'श्वेत पत्र' तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्णय लिया है ताकि जनता केरल की देनदारियों, लंबित प्रतिबद्धताओं और वित्तीय दायित्वों से अवगत हो सके। उन्होंने कहा, ''आज राज्य गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा है। बकाया देनदारियों और वित्तीय बाधाओं ने सार्वजनिक वित्त पर भारी दबाव डाला है। मेरी सरकार ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ इन वास्तविकताओं का सामना करेगी।'' उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा, ''मेरी सरकार केंद्र सरकार से उचित वित्तीय आवंटन और निष्पक्ष एवं समान व्यवहार सुनिश्चित करने के प्रयासों को और मजबूत करेगी।'' उन्होंने आश्वस्त किया कि वित्तीय चुनौतियों के बावजूद गरीबों और कमजोर वर्गों के लिए कल्याणकारी उपायों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सहायता और कल्याणकारी कार्यक्रम सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ जारी रहेंगे।'' आर्लेकर ने राज्य को एक एकीकृत बंदरगाह-आधारित केंद्र में बदलने की सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का भी जिक्र किया जिसके तहत विस्तृत तटरेखा, 44 नदियों, 34 झीलों और चार हवाई अड्डों की क्षमता का उपयोग करते हुए राज्य को दक्षिण एशिया में नागरिक उड्डयन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही, उन्होंने विमानन अवसंरचना के विकास के लिए कई पहलों को विकसित करने की बात कही। राज्य में मादक पदार्थों और शराब दोनों का बढ़ता दुरुपयोग चिंता का विषय है और सरकार इसके खिलाफ प्रवर्तन, जागरूकता और पुनर्वास की त्रि-स्तरीय रणनीति अपनाएगी, जिसमें आबकारी और गृह विभाग दोनों मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरी सरकार मादक पदार्थ माफिया, तस्करों, आपूर्तिकर्ताओं और संगठित आपराधिक नेटवर्क के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाएगी... हमारा लक्ष्य चरणबद्ध तरीके से शराब की खपत को कम करना है।''आर्लेकर ने अपने नीतिगत संबोधन में कहा कि सांस्कृतिक मोर्चे पर सरकार ने केरल के फिल्म उद्योग को एक व्यापक फिल्म नीति के माध्यम से समर्थन देने का निर्णय लिया है, जिसमें निर्माण प्रोत्साहन, अन्य देशों के साथ सह-निर्माण संधियां, फिल्म-पर्यटन विकास और केरल को शूटिंग स्थल के रूप में बढ़ावा देना शामिल है।

अंबुमणि रामदास ने तमिलनाडु में बंद शराब की दुकानों का विवरण मांगा

चेन्नई/भाषा। पीएमके नेता अंबुमणि रामदास ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि राज्य में बंद किए जाने के लिए चिन्हित शराब की 717 दुकानों में से अब तक कितनी दुकानों को बंद किया गया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने पदभार संभालने के बाद निर्देश दिया था कि अगले दो सप्ताह के भीतर कुल 717 दुकानें बंद कर दिये जायें। इन 717 दुकानों में विद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों से 500 मीटर के दायरे में स्थित 186 दुकानें, पूजा स्थलों से 500 मीटर के भीतर मौजूद 276 दुकानें तथा भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों

के पास स्थित 255 दुकानें शामिल हैं। रामदास ने एक बयान में कहा कि अब सामने आ रही खबरों से संकेत मिलता है कि उनमें से अधिकांश दुकानों को बंद नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यदि ये खबरें सच हैं, तो इस मामले में सरकार का रवैया बेहद निराशाजनक है। पीएमके नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित समय सीमा 26 मई को समाप्त हो गयी लेकिन अब तक ये दुकानें पूरी तरह से बंद नहीं हुयी हैं। उन्होंने दावा किया कि कई शराब की दुकानें अब भी स्कूलों, पूजा स्थलों और अन्य भीड़-भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों के करीब मौजूद हैं । रामदास ने इसे बिल्कुल अस्वीकार्य करार दिया।

कांग्रेस समर्थित केरल सरकार ने आईयूएमएल के दबाव में 'वंदे मातरम' का अपमान किया : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली केरल सरकार की आलोचना करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य विधानसभा में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगीत के केवल शुरुआती अंतरे बजाकर उसने वंदे मातरम और राज्यपाल का कथित तौर पर अपमान किया है।

भाजपा द्वारा यह टिप्पणी तब की गयी जब राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विधानसभा में वंदे मातरम को पूरा न गाए जाने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। नई विधानसभा के पहले सत्र को राज्यपाल ने संबोधित किया जिसमें उन्होंने संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार की नीतियों की रूपरेखा पेश की।

केरल विधानसभा में राज्यपाल संबोधन से पहले और बाद में एक बैंड टीम ने वंदे मातरम के शुरुआती अंतरों की धुन बजायी।

सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने पूरा वंदे मातरम बजाना सुनिश्चित नहीं किया जो संवैधानिक मर्यादा का उल्लंघन है उन्होंने कहा, केरल विधानसभा में राज्यपाल के संबोधन के दौरान वंदे मातरम का पूरा संस्करण नहीं गाया गया। सरकारी प्रोटोकॉल यह है कि मूल संस्करण को पूरा गाया जाए, न कि उसे दो अंतरों में संक्षिप्त कर दिया जाए। लेकिन कांग्रेस सरकार ने इस प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया।

पूनावाला ने आरोप लगाया कि यह काम केरल में सत्तारूढ़ यूडीएफ की सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के दबाव में किया गया। उन्होंने दावा किया, मुस्लिम लीग को खुश करने के लिए कांग्रेस ने ऐसा किया है क्योंकि उसका इस पार्टी के साथ गठबंधन है और इसके खिलाफ नहीं जा सकती। मुस्लिम लीग वंदे मातरम से नफरत करती है। उसके दबाव में आकर उन्होंने (कांग्रेस सरकार ने) वंदे मातरम को संक्षिप्त कर दिया और राज्यपाल का अपमान किया। उन्होंने वामपंथियों पर भी इस कदम का समर्थन करने का आरोप लगाया।

पूनावाला ने आरोप लगाया, केवल दो अंतरे बजाए गए और पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी इसे उचित ठहराया। कांग्रेस और वामपंथियों, दोनों में ही देश और संविधान के प्रति कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा, ''वे हमास, जमात एवं पीएफआई को मंच देते हैं किंतु उन्हें वंदे मातरम से समस्या है।''

भाजपा प्रवक्ता ने यह भी दावा किया, ''समाजवादी पार्टी एवं तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों ने तो शुरू में (वंदे मातरम के) दो अंतरों का भी विरोध किया था।''

राज्य विधानसभा से लौटने के बाद लोकभवन में पत्रकारों से बात करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सदन में उनकी उपस्थिति के दौरान वंदे मातरम को पूर्ण रूप से गाए जाने पर जोर दिया गया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा में गीत (की धुन को) केवल बजाया गया, गाया नहीं गया।

गर्मी का चरम दौर समाप्त होने के बाद तमिलनाडु में बारिश, तापमान में गिरावट की संभावना

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में गर्मी का चरम दौर समाप्त होने के बाद राज्य के 15 से अधिक जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गर्मी के चरम चरण को 'अग्नि नक्षत्रम' कहा जाता है जो चार मई से 28 मई तक था। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा यहां जारी ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि बृहस्पतिवार तक ऊष्ण लहर की स्थिति बनी रही और चेन्नई सहित 10 से अधिक जिलों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक दर्ज किया। आईएमडी ने शुक्रवार से 24 घंटों के दौरान कोयंबटूर, डिंडीगुल, थेनी, नीलगिरि, करूर, इरोड, नमक्कल, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, सेलम, तिरुचिरापल्ली, तंजावुर, तिरुवन्नामलई, कृष्णागिरि और धर्मपुरी जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने 31 मई से तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल क्षेत्रों में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने के भी संकेत दिए हैं। पिछले 24 घंटों में कन्याकुमारी के नेय्यूर में सर्वाधिक (छह सेंटीमीटर) बारिश दर्ज की गई।

जोतिमणि ने तमिलनाडु विस चुनाव के लिए उम्मीदवारों के चयन में अनियमितताओं का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। कांग्रेस सांसद एस जोतिमणि ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि 23 अप्रैल को हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन क्षेत्रों के आवंटन और पार्टी उम्मीदवारों के चयन में ''बड़े पैमाने पर अनियमितताएं'' हुईं।

जोतिमणि ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के भीतर बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुईं और पहले से ही चयनित उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त निर्वाचन क्षेत्रों की मांग की गई और उन्हें आवंटित किया गया।

करूर से सांसद ने कहा, '''सर्वेक्षण' की आड़ में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। जो वरिष्ठ पार्टी कार्यकर्ता दशकों से पार्टी की सेवा कर रहे थे और जिनके जीतने की वास्तविक संभावना थी, उन्हें पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया जबकि कई नए लोगों और ऐसे उम्मीदवारों जिनकी चुनावी संभावना बहुत कम या नहीं के बराबर थी, उन्हें अवसर दिए गए और यह सब उनके लिए विशेष रूप से निर्वाचन क्षेत्रों का चयन करके किया गया।'' उन्होंने 'एक्स' पर पूछा, ''जिन लोगों को चुनाव लड़ने का मौका दिया गया था, उनमें से कुछ ने या तो पार्टी छोड़ दी या चुनाव के कुछ दिनों बाद निष्क्रिय हो गए। इन व्यक्तियों को ये अवसर किसने दिए? उन्हें किस आधार पर चुना गया? इन गलतियों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है?''

निर्वाचन क्षेत्र आवंटन और उम्मीदवार चयन की जांच किए बिना चुनाव के दौरान कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों की जांच के लिए केवल एक समिति का गठन करना वास्तव में गलत काम के लिए जिम्मेदार लोगों को बचाने की एक व्यवस्था थी।

जोतिमणि ने कहा, ''निर्वाचन क्षेत्र के आवंटन और उम्मीदवार चयन से संबंधित समिति की अध्यक्षता तमिलनाडु के प्रभारी गिरीश चोडनकर कर रहे थे।

कांग्रेस पार्टी के नियमों के अनुसार उस समिति के खिलाफ लगे आरोपों की जांच केवल अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ही कर सकती है। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को ऐसी जांच करने का अधिकार नहीं है।'' उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस वाकई में खुद को सुधारना चाहती है तो उसे तमिलनाडु विधानसभा चुनाव प्रक्रिया की उचित जांच करानी होगी। अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। तभी पार्टी कार्यकर्ताओं का विश्वास बहाल हो सकता है।

तिरुचेंदूर मंदिर में अनियमितता के दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होगी : एस. रमेश

तूतीकोरिन/भाषा। तमिलनाडु के मंत्री एस. रमेश ने शुक्रवार को तिरुचेंदूर के प्रसिद्ध सुब्रह्मण्या स्वामी मंदिर में तड़के औचक निरीक्षण के बाद चेतावनी देते हुए कहा कि अनियमितताओं के दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कठोर और निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी। हिंदू धार्मिक और परमार्थ बंदोबस्त मंत्री ने यह दौरा जनता, सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं द्वारा सोशल मीडिया मंच पर मंदिर में कथित कुप्रबंधन और कदाचार के संबंध में की गई कई शिकायतों के मद्देनजर किया।

मंत्री रमेश ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं इन शिकायतों पर बारीकी से नजर रख रहा हूं। उन्होंने कहा, स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए, मैंने आज तड़के मास्क पहनकर औचक निरीक्षण किया ताकि मेरी पहचान गुप्त रहे। मंत्री ने बताया कि मंदिर में गोपुरम के प्रवेश द्वार पर गोपनीय ढंग से निरीक्षण के दौरान उन्होंने कुछ व्यक्तियों को भक्तों को नियमित पंक्तियों के बजाय सीधे दर्शन करने की अनुमति देने के लिए पैसे लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। उन्होंने कहा, हमें पता चला है कि कुछ पुजारी और मंदिर के अधिकारी सामूहिक रूप से इस अवैध गतिविधि में शामिल हैं। उन्होंने कहा, मैं यह बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहता हूं: इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ किसी पूर्वाग्रह, भेदभाव या संकोच के बिना कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा नरम रुख अपनाने या केवल माफीनामा लिखकर आरोपियों को छोड़ देने की अफवाहों को खारिज करते हुए मंत्री ने अपनाई जा रही कानूनी प्रक्रिया को स्पष्ट किया।

रमेश ने कहा, ऑनलाइन एक झूठा विमर्श फैलाया जा रहा है कि हमने माफी स्वीकार कर ली और उन्हें माफ कर दिया। यह पूरी तरह से असत्य है। मंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को सरकारी कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने कहा कि औपचारिक दंडात्मक कार्रवाई शुरू करने से पहले स्पष्टीकरण मांगाना मानक प्रक्रिया के तहत आवश्यक है।

ईडी अधिकारियों पर हमला एक गंभीर अपराध है : सतीशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री वी डी सतीशन ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के किराये के आवास पर छापेमारी के दौरान ईडी अधिकारियों पर हुआ हमला एक गंभीर अपराध है।

इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए, सतीशन ने यहां पत्रकारों से कहा कि जो कुछ हुआ वह एक गंभीर अपराध था और इसमें शामिल लोगों को अपराधी की श्रेणी में रखा जा सकता है, क्योंकि उन्होंने ईडी की उस टीम पर हमला किया था जिसमें महिला अधिकारी भी शामिल थीं। उन्होंने कहा, ''जांचकर्ताओं पर हमला करना और उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाना एक गंभीर अपराध है और इसे दोहराया नहीं जाना चाहिए। यही हमारा रुख है।'' उन्होंने हिंसा को ''क्रूर'' बताते हुए माकपा से इसे बढ़ावा न देने का आग्रह किया।

सतीशन ने उन स्थानों पर पुलिस बल तैनात करने के लिए राज्य के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला की प्रशंसा की, जहां तलाशी की जा रही थी और भीड़ जमा होने लगी थी, भले ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से छापेमारी के संबंध में न तो पुलिस और न ही गृह विभाग को कोई सूचना मिली थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार और पुलिस केवल कानून-व्यवस्था की समस्या होने पर ही हस्तक्षेप करती है और ''हम ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हैं''। ईडी द्वारा की गई छापेमारी को उचित ठहराते हुए सतीशन ने कहा कि यह कार्रवाई एक केंद्रीय एजेंसी द्वारा पहले से दर्ज किए गए मामले के संबंध में की गई है। सतीशन ने कहा, ''इसमें राज्य सरकार की क्या भूमिका है? बिल्कुल कोई भूमिका नहीं। राज्य सरकार को तो छापेमारी के बारे में सूचित तक नहीं किया गया था। राज्य पुलिस को भी इसकी जानकारी नहीं दी गई थी।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने भी विजयन की बेटी पर खनन कंपनी सीएमआरएल के साथ वित्तीय सौदे करने के आरोप लगाए थे और यह ईडी की जांच का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि यूडीएफ को केंद्रीय एजेंसी की जांच को लेकर ही शिकायतें हैं, क्योंकि यह चार साल पुराना मामला है और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के सत्ता में आने से पहले या बाद में इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। ईडी की छापेमारी की कार्रवाई विजयन की बेटी की फर्म और एक रेत खनन कंपनी के बीच हुए वित्तीय लेन-देन से जुड़ी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि विजयन ईडी की कार्रवाई के लिए राहुल गांधी को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं। सतीशन ने कहा, ''ईडी की कार्रवाई के बाद जब विजयन बोलने के लिए बाहर आए, तो उन्होंने सबसे पहले राहुल गांधी को दोषी ठहराया। क्या उन्होंने ईडी के अधिकारियों को भेजा था? विजयन ने प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार या भाजपा को दोषी नहीं ठहराया।'' उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा लगातार कई घंटों तक पूछताछ का सामना करना पड़ा था और उन्होंने कभी भी किसी कांग्रेस कार्यकर्ता को जांच अधिकारियों के वाहनों पर हमला करने के लिए नहीं भेजा था। जब पत्रकारों ने पूछा कि पुलिस ईडी अधिकारियों के वाहनों पर हमला करने वालों की तलाश के लिए माकपा पार्टी कार्यालय में क्यों नहीं घुसी, तो सतीशन ने कहा कि पुलिस ने ''समझदारी'' से काम किया।

विपक्षी दलों के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर कांग्रेस 'संकीर्ण रुख' अपना रही : विजयन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पर 'संकीर्ण रुख' अपनाने का आरोप लगाया। विजयन ने शुक्रवार को दावा किया कि कांग्रेस तभी आपत्ति जताती है जब उसके नेताओं को निशाना बनाया जाता है।

विजयन ने एक संवाददाता सम्मेलन में अपने आवासों पर ईडी की तलाशी के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जब से भाजपा केंद्र में सत्तारूढ़ हुई है, तब से वह अपने विरोधी दलों के प्रति कड़ा रुख अपना रही है।

राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, इसके तहत ही वह कई विपक्षी दलों और उनके नेताओं के खिलाफ पक्षपातपूर्ण तरीके से ईडी का इस्तेमाल करती है। हालांकि, कांग्रेस इसका विरोध तभी करती है जब उसके अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाती है।

इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन की चुप्पी के बारे में पूछे जाने पर विजयन ने कहा कि यह सवाल केरल के मुख्यमंत्री से पूछा जाना चाहिए। उन्होंने

दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में कांग्रेस लगातार पूछती रही कि उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है या उनके खिलाफ मामला दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा, और जब उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया, तो उन्होंने जश्न मनाया।

वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता ने कहा कि हाल ही में उनके आवासों पर हुई तलाशी के बाद तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन और केजरीवाल ने भी ईडी की कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने इसपर कांग्रेस के रुख की आलोचना की।

विजयन ने कहा, लेकिन इन सब के बावजूद कांग्रेस के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा के ऐसे कदमों के खिलाफ हम सभी को एकजुट होने की जरूरत है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व इस मामले में संकीर्ण रुख अपना रहा है। ईडी की कार्रवाई के संबंध में उन्होंने कहा कि एजेंसी ने उनकी बेटी वीना टी. का एक खाता बंद कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनसे (विजयन) पूछताछ नहीं की गई, हालांकि तलाशी के दौरान वह मौके पर मौजूद थे।

जनजाति प्रतिभाएं समाज की धरोहर, इनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता : बाबूलाल खराड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनजाति कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा मनाये जा रहे 'जनजाति गरिमा उत्सव' के कार्यक्रमों की श्रृंखला में 'जनजाति गौरव सम्मान' समारोह शुक्रवार को उदयपुर जिले के माणिक्य लाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुई। समारोह को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री श्री खराड़ी ने जनजाति प्रतिभाओं को समाज की धरोहर बताते हुए इनके कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। श्री खराड़ी ने सम्मानित होने वाले प्रतापगढ़ के संतोष कुमार मीणा के पॉली हाउस में संरक्षित खेती, फूल व मशरूम उत्पादन को सराहनीय कार्य बताते हुए जनजाति युवाओं को नौकरी के पीछे भागने की बजाय उन्नत खेती अपनाकर अपनी आय बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने जनजाति संस्कारों को सबके लिए अनुकरणीय बताते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहने की आवश्यकता जताई।

श्री खराड़ी ने लेक्रोस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक विजेता महिला टीम कप्तान सुनीता मीणा व पुरुष टीम सदस्य मोहनलाल गमेती, कृषि एवं उद्यानिकी क्षेत्र में नवाचार हेतु सिरोही के गैनाराम, प्रतापगढ़ से संतोष कुमार मीणा व शांतिबाई, उद्यमिता क्षेत्र में प्रतापगढ़ की ममता मीणा, आजीविका क्षेत्र में सिरोही के सोमाराम, उदयपुर के सुरेन्द्र मीणा, जनजाति समाज को कुरीतियों व परम्परागत रूढ़ियों से मुक्त कराने की दिशा में सराहनीय प्रयास हेतु उदयपुर के डॉ. देवीलाल, बांसवाड़ा से रूपजी बारिया, सिरोही से थावराराम गरासिया व डूंगरपुर से मणिलाल देवतरा, रक्तदान हेतु युवाओं को प्रेरित करने हेतु उदयपुर के भुरीलाल खराड़ी तथा शिक्षा के क्षेत्र में राजस्थान तहसीलदार सेवा में चयनित भेराराम व कक्षा 12 कला वर्ग में 95 प्रतिशत अंक प्राप्तकर्ता गणेश कटारा तथा विज्ञान वर्ग में 95.40 प्रतिशत अंक प्राप्तकर्ता जितेन्द्र निनामा को उपरना ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया गया।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के छात्रावास निर्माण हेतु भूमि भेंटकर्ता भामाशाह ओम प्रकाश भील को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए टीएडी आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री ने जनजाति प्रतिभाओं को मुख्य धारा में लाकर राष्ट्र के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। टी.आर.आई. निदेशक ओ.पी. जैन ने 'जनजाति गरिमा उत्सव' माह के दौरान अब तक हुई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए 'जनजाति गौरव सम्मान' को जनजाति प्रतिभाओं की उपलब्धियों को समाज के सामने लाने का एक मंच बताया।

जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग के आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री की सेवानिवृत्ति पर केबिनेट मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी ने साफा पहनाकर एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया। श्री खराड़ी ने सेवानिवृत्त हो रहे आयुक्त की कार्यशैली को सकारात्मक व जनहितैषी बताया। टी.आर.आई. निदेशक ओ.पी. जैन ने श्री मंत्री के प्रशासनिक कौशल व सकारात्मक कार्यशैली को अनुकरणीय बताते हुए उन्हें कार्य व आमजन के लिए समर्पित लोक सेवक बताया।

निर्माणाधीन अंडरपास के धंसने से दो रेलवे इंजीनियर की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले में दारा घाटी के पास एनएच-52 पर निर्माणाधीन एक अंडरपास के नीचे की मिट्टी का एक हिस्सा धंस जाने से दो रेलवे इंजीनियर की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार रात करीब आठ बजे मोदक पुलिस थाना क्षेत्र में घटी, जब दोनों इंजीनियर निर्माण स्थल का निरीक्षण कर रहे थे। इंजीनियरों की पहचान मध्य प्रदेश के भोपाल निवासी परिवीक्षा पर कार्यरत कनिष्ठ अभियंता प्रभात सिंह (30) और बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के धामौरा निवासी वरिष्ठ अनुभाग अभियंता संजय कुमार झा (47) के रूप में हुई।

कोटा के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि निर्माणाधीन अंडरपास में मिट्टी का एक हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे दो इंजीनियर मलबे के नीचे दब गए। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि जेसीबी मशीनों की मदद से तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और दोनों इंजीनियरों को 15 मिनट के भीतर गंभीर हालत में बाहर निकाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें कोटा के एक अस्पताल में ले जाया गया जहां सिंह को मृत घोषित कर दिया गया जबकि झा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दोनों मृत इंजीनियर के परिवारवालों ने रेलवे अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि ईद की छुट्टी के दिन भी दोनों इंजीनियरों को निरीक्षण के लिए भेजा गया था, जबकि कार्यस्थल पर कर्मचारियों की कमी थी। सिंह के परिजनों ने बताया कि उन्होंने तीन महीने पहले ही नौकरी शुरू की थी और परिवीक्षा अवधि के दौरान वे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल रहे थे। उन्होंने उनकी पत्नी के लिए मुआवजे के तौर पर नौकरी की मांग की। संजय कुमार झा के बड़े भाई रवींद्र झा ने भी रेलवे अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि निरीक्षण के दौरान घटनास्थल पर पर्याप्त मजदूर मौजूद नहीं थे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए जैन ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया, लेकिन लापरवाही के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने कहा कि झा साइट के प्रभारी थे और सभी सुरक्षा एवं एहतियाती उपाय लागू थे। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक ने बताया कि नियमों के अनुसार परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा और घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

संजय कुमार झा ने 2005 में राजस्थान में भारतीय रेलवे में इंजीनियर के रूप में नौकरी शुरू की थी। उनके बड़े भाई रवींद्र झा ने यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक लखन लाल ने बताया कि एमबीएस अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद प्रभात सिंह का शव उनके परिवार को सौंप दिया गया, जबकि झा का पोस्टमार्टम उनके कुछ रिश्तेदारों के बिहार से आने के बाद किया जाएगा। दारा घाटी के पास एनएच-52 झालावाड़ सड़क खंड पर 9.98 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हो रहे इस अंडरपास का उद्देश्य क्षेत्र में अक्सर होने वाले यातायात जाम को कम करना है।

मंत्री के खिलाफ पुलिसकर्मियों को अपशब्द कहने व धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज

जयपुर। राजस्थान के सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक के खिलाफ पुलिसकर्मियों को सरेआम धमकाने और उनसे अपशब्द कहने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चित्तौड़गढ़ के डूंगला थाने में दक के खिलाफ यह मामला एक 'ऑडियो' के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद बृहस्पतिवार को दर्ज किया गया। इस ऑडियो में कथित तौर पर उन्हें एक पुलिसकर्मी से गाली-गलौज करते सुना जा सकता है।

वहीं, मंत्री ने एक वीडियो बयान जारी कर दावा किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे इस 'ऑडियो' से उनका कोई लेना-देना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (राजकार्य में बाधा), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 352 (जानबूझकर अपमान) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

थाना प्रभारी शैतान सिंह द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, यह घटना सोमवार की है जब वह पुलिस थाने में मौजूद थे और मंत्री ने उन्हें फोन कर बाहर बुलाया। थाना प्रभारी ने दावा किया कि मंत्री ने उनसे दो कांस्टेबल विष्णु कुमार व लक्ष्मीनारायण के बारे में पूछा और उन्हें बुलाने को कहा जब दोनों कांस्टेबल वहां पहुंचे तो मंत्री ने कथित तौर पर उन्हें अपशब्द कहना शुरू कर दिया तथा लोगों के सामने आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि मंत्री ने मारपीट करने की कोशिश भी की। थाना प्रभारी का आरोप है कि दक ने लक्ष्मीनारायण के बड़ी सादड़ी थाने से हुए पिछले तबादले का हवाला देकर पुलिसकर्मियों को धमकाया। प्राथमिकी के अनुसार, मंत्री इस बात से नाराज थे कि उनके एक कथित परिचित धनराज को पूछताछ के लिए थाने बुलाया गया था।

भ्रष्टाचार पर भजनलाल शर्मा का वज्रप्रहार - एक आईएएस सहित 103 अफसर निलंबित, 6 बर्खास्त

जयपुर,। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भ्रष्ट और लापरवाह अफसरों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दे दिया है कि भ्रष्टाचारियों को शासन-प्रशासन में किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कड़े तेवर दिखाते हुए जीरो टॉलरेंस की नीति पर ढाई वर्ष में एक आईएएस अधिकारी सहित 103 अधिकारियों को निलंबित किया है। वहीं, 6 अफसरों को सेवा से बर्खास्त और 11 भ्रष्ट अधिकारियों की आजीवन पेंशन पर रोक लगाई है। उन्होंने रिश्वत, ट्रैप, पद का दुरूपयोग, आय से अधिक संपत्ति प्रकरणों के 108 मामलों में अभियोजन स्वीकृति दी है और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत 37 अन्य प्रकरणों में भी कठोर कार्रवाई की है।

रिश्वत, आय से अधिक संपत्ति और पद का दुरूपयोग करने पर अधिकारियों को न्यायालय में दोष सिद्ध होने के बाद तुरंत सेवा से निकाल बाहर किया गया। पीडब्ल्यूडी के तत्कालीन विकास अधिकारी (सुवाणा, भीलवाड़ा) भरत प्रकाश मेघवाल, तत्कालीन कृषि उप निदेशक (झुंझुनूं) राजेश कुमार नैनावत, तत्कालीन सहायक आयुक्त भरतपुर (वित्त कर) महावीर सिंह आसीवाल, तीन चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम मोहन सिंह चौहान (सीएचसी बिछीवाड़ा, डूंगरपुर), डॉ. मुरलीधर शर्मा (सीएचसी रामगढ़ पचवारा, दौसा) और डॉ. मनोहर लाल (सीएचसी रामगढ़, अलवर) को सेवा से बर्खास्त किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट कर दिया है कि आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जो अफसर जनता के पैसे पर डाका डालेगा, उसकी न नौकरी रहेगी, न पेंशन और न ही कानून से बचने का कोई रास्ता। सरकार ने 11 अधिकारियों को भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों में आजीवन शत-प्रतिशत पेंशन रोक कर दण्डित किया है, जिनमें बनवारी लाल मीणा, आरएएस, तत्कालीन उप सचिव (नगर विकास न्यास, अलवर), डॉ. शिवनारायण यादव, तत्कालीन वरिष्ठ चिकित्साधिकारी (सीएचसी, नीमराणा, अलवर), देवेन्द्र सिंह ढिल्लो, आरएएस, उप सचिव (नगर विकास न्यास, अलवर), मनोहर लाल सिसोदिया, तत्कालीन विकास अधिकारी (कपासन), तत्कालीन कनिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कोठारी (सीएचसी मांडलगढ, भीलवाड़ा), डॉ. कल्पना श्रीवास्तव, तत्कालीन चिकित्साधिकारी, (गंगरार-चित्तौडगढ़), नृसिंह रेबारी, तत्कालीन सहायक अभियंता पीडब्ल्यूडी (प्रतापगढ़), सुरेश माथुर, तत्कालीन अधिशाषी अभियंता पीडब्ल्यूडी (जैसलमेर), महेन्द्र सिंह, आरपीएस, तत्कालीन वृत्ताधिकारी (सवाई माधोपुर), डॉ. लक्ष्मण दत्त शर्मा, तत्कालीन चिकित्साधिकारी (निवाई-टोंक) एवं डॉ. अविनाश कुमार शर्मा, तत्कालीन सहायक निदेशक, पशुधन विकास (बांसवाड़ा) शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हाल ही में भ्रष्ट अधिकारियों पर शिकंजा कसते हुए एक और बड़ी कार्रवाई की है। पीएचईडी की अलवर प्रयोगशाला के वरिष्ठ रसायनज्ञ प्रदीप कुमार हजरती ने पेयजल के नमूनों की गुणवत्ता जांच में फर्जी रिपोर्ट तैयार की। मुख्यमंत्री ने ऐसे घोर लापरवाह अधिकारी को तत्काल सेवा से बाहर करने का निर्णय लिया।

इसी तरह, हरिसिंह मीना (तत्कालीन एपीपी, एसीजेएम-4, कोटा) को एसीबी कोर्ट द्वारा सजा सुनाये जाने के बाद नौकरी से हटाया।

राजस्थान में कृषि के विकास का रोडमैप जल्द होगा तैयार : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं बागवानी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को नई दिल्ली के पूसा में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में राजस्थान के कृषि परिदृश्य पर पक्ष रखते हुए देशभर से आए कृषि विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों एवं विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों के साथ आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों और कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान कर रहे थे। डॉ. किरोडी लाल मीणा ने कहा कि सम्मेलन में कृषि उत्पादकता वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती, प्राकृतिक खेती, दलहन-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता तथा डिजिटल कृषि जैसे विषयों पर व्यापक चर्चा हुई है। इस दौरान राजस्थान सरकार की ओर से प्रदेश के किसानों के हितों, कृषि अवसंरचना को मजबूत करने एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव और अनुभव साझा किए।

सम्मेलन में डॉ. मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत - समृद्ध किसान के संकल्प को साकार करने हेतु केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर किसानों की आय बढ़ाने, खेती को तकनीक से जोड़ने और राजस्थान के अन्नदाता को अधिक सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान कृषि क्षेत्र विकास से जुड़े समस्त महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई है ताकि किसानों को उनका वाजिब हक मिल सके। डॉ. मीणा ने कहा कि किसानों के लिए सुलभ खेती हेतु समय पर खाद, बीज और पेस्टिसाइड किस तरह से उचित समय और उचित मूल्य पर मिले इसके लिए भी सम्मेलन के दौरान कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए जिन पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने शीघ्रता से कार्यवाही करने के आश्वासन दिया है।

सत्यापन से वंचित पेंशनधारकों का आगामी 15 दिवसों में अभियान चलाकर करवाया जाएगा सत्यापन : अविनाश गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने पेंशन सत्यापन से वंचित पेंशनधारकों का जिला स्तर पर अभियान चलाकर आगामी 15 दिवसों में सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस बाबत सभी जिला कलेक्टर्स को निर्देशित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बुजुर्ग पेंशनधारकों का शत-प्रतिशत सत्यापन कराने के लिए कृत-संकल्पित है। गहलोत शुक्रवार को मुख्यालय अंबेडकर भवन के सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, विशेष योग्यजन निदेशालय एवं अनुजा निगम द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 89 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स हैं, इनमें से 96.50 प्रतिशत पेंशनधारकों का सत्यापन हो चुका है। उन्होंने शेष 3.50 फीसदी पेंशनधारकों का आगामी 15 दिनों में अभियान चलाकर सत्यापन के निर्देश दिए। साथ ही जिन 5 जिलों में सत्यापन से लंबित सर्वाधिक प्रकरण हैं, वहां मुख्यालय से अधिकारियों को भेजकर प्रकरण निस्तारण कराने के भी निर्देश दिए।

गहलोत ने बजट घोषणाओं की समीक्षा करते हुए बताया कि वर्ष 2024-25, 2025-26 और 2026-27 की कुल 50 बजट घोषणाओं में से 26 पूर्ण हो चुकी हैं, जबकि 18 प्रक्रियाधीन हैं और शेष 6 का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। सभी घोषणाओं की प्रगति को संतोषजनक बताया। उन्होंने विभागीय योजनाओं, मुख्यमंत्री के निर्देशो की क्रियान्विति, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज लम्बित प्रकरणों, विधान सभा प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा तथा योजनाओं की सफल क्रियान्विति के लिए भविष्य की कार्ययोजनाओं पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। सामाजिक न्याय मंत्री ने बैठक में छात्रवृत्ति, पेंशन, पालनहार, अंतरजातीय विवाह, नवजीवन, मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग, दिव्यांग स्कूटी, सिलिकोसिस योजना, नशामुक्ति केंद्र, देवनारायण संबंधी अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सभी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करने के भी निर्देश दिए। साथ ही अन्य राज्यों द्वारा किए जा रहे नवाचारों का अध्ययन करने के भी निर्देश दिए।

कई इलाकों में तेज अंधड़ की चेतावनी

जयपुर। राजस्थान में एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से कई इलाकों में तेज अंधड़ आने की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है जिससे लोगों को कई दिन की भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से आगामी दिनों में राज्य के कुछ भाग में तेज आंधी बारिश की गतिविधियां शुरू होने की पूरी संभावना है। इससे आज शुक्रवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा संभाग के कुछ भाग में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज अंधड़ चलेगा और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। विक्षोभ का सर्वाधिक प्रभाव 30 से 31 मई को रहेगा। इस दौरान बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर संभाग के कुछ भाग में वज्रपात, 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने तथा कहीं-कहीं तेज बारिश होने का अनुमान है। राज्य के कुछ भाग में आंधी-बारिश की गतिविधियां जून के पहले सप्ताह में भी जारी रहेंगी। मौसम विभाग का कहना है कि आंधी बारिश के प्रभाव से आगामी दिनों में तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने व 30 मई से लू से राहत मिलने की संभावना है। लगभग समूचा राजस्थान पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी की चपेट में है जहां बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान सीमावर्ती गंगानगर जिले में 47.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से ही खिलाड़ी बनते हैं स्टार : देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत। अजमेर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रतिभा खोज प्रशिक्षण शिविर 2026 का समापन समारोह उत्साह एवं खेल भावना के साथ शुक्रवार को अजमेर के चंद्रवरदाई मैदान में सम्पन्न हुआ। समारोह में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि आज के युवा खिलाड़ी ही राज्य एवं देश के भविष्य के उभरते सितारे हैं। क्रिकेट युवाओं में उत्साह, ऊर्जा एवं रोमांच का संचार करता है। हाल ही में जयपुर में आयोजित आईपीएल मुकाबलों के दौरान युवाओं में टिकटों को लेकर विशेष उत्साह देखा गया, जो क्रिकेट के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी बनने की इच्छा तो अनेक युवाओं में होती है, लेकिन उत्कृष्ट खिलाड़ी बनने के लिए कठोर मेहनत, अनुशासन एवं निरंतर अभ्यास आवश्यक है। प्रतिभा को अवसर मिलना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जिला क्रिकेट संघ द्वारा महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों को मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। आज महिला खिलाड़ी भी क्रिकेट में अपना परचम लहरा रही हैं।

देवनानी ने कहा कि खिलाड़ी मोहल्ला स्तर से लेकर जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास से बनाते हैं। खेल में तकनीकी समझ और ऑब्जर्वेशन भी अत्यंत आवश्यक है। गेंदबाज को स्विंग, स्पिन एवं विविध तकनीकों की जानकारी होनी चाहिए। वहीं बल्लेबाज को परिस्थितियों के अनुरूप शॉट चयन की समझ विकसित करनी चाहिए। इन सभी तकनीकी पहलुओं को खेल में शामिल कर बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है।

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जब भी बड़े मैच देखने जाएं तो मनोरंजन के साथ वरिष्ठ खिलाड़ियों के प्रदर्शन, तकनीक और रणनीति का भी अवलोकन करें। देश में सामान्य परिवारों से निकलकर अनेक खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

जल संरक्षण पुण्य का काम, इसे पूरे मनोयोग से करें : बेढम

जयपुर। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का प्रारंभ 25 मई से किया गया है। अभियान का मुख्य उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संग्रहण, पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण, जनसहभागिता से स्वच्छता तथा जागरूकता को बढ़ावा देना है। प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि जल संरक्षण पुण्य का काम है, इसे पूरे मनोयोग से करें। यह अभियान महज एक राजकीय कार्यक्रम न होकर एक जन अभियान है, इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़कर जल एवं समग्र पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कार्य करें।

प्रभारी मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने प्राचीन चौपड़ा मन्दिर में स्थित बावड़ी पर श्रमदान किया।

उन्होंने आमजन को बावड़ी को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया और साथ ही उन्होंने आमजन से जल निकायों को प्लास्टिक मुक्त रखने एवं श्रमदान की अपील की। जिला प्रभारी मंत्री ने प्राचीन चौपड़ा महादेव मंदिर में पूजा अर्चना कर सर्व कल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि प्राचीन बावड़ियां एवं जल स्रोत हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण वर्तमान एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

अगर सड़कों पर नमाज गलत है तो सभी धर्मों के आयोजन गलत हैं : ओवैसी

हैदराबाद/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सड़कों पर नमाज अदा करना नामंजूर है तो सड़कों पर हर धर्म से जुड़े आयोजनों के लिए भी यही मानदंड अपनाया जाना चाहिए।

ओवैसी ने शुक्रवार को यहां एआईएमआईएम मुख्यालय में आरोप लगाया कि मुसलमानों को हाशिये पर धकेलने और 'दोयम दर्जे का नागरिक' बनाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने दावा किया, ''अगर सड़कों पर नमाज अदा करना गलत है तो सड़कों पर हर धर्म के त्योहारों के आयोजन गलत हैं। अगर आप कहते हैं कि किसी के त्योहार पर मांस की दुकानें बंद हो जानी चाहिए तो रमजान में पूरे 30 दिन तक शराब की सभी दुकानें बंद की जानी चाहिए।''

ओवैसी ने कहा, ''सड़कों पर नमाज में कितना वक्त लगता है?'' उन्होंने कहा कि भारत मुसलमानों का भी है और वे अपने मुद्दों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से लड़ते रहेंगे।

एआईएमआईएम अध्यक्ष ने ईंधन के दामों और वैश्विक परिस्थिति के संबंध में कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में रुकावट जैसे विभिन्न अवरोधों से दाम प्रभावित हो रहे हैं लेकिन रूस से सस्ते तेल के आयात के दौरान भारतीय कंपनियों को हुए मुनाफे के बारे में भी सवाल पूछे जाने चाहिए।

गंगा आरती

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को उत्तराखंड के ऋषिकेश में गंगा तट पर भव्य आरती में हिस्सा लिया। पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार उत्तराखंड आए नवीन के साथ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने ऋषिकेश में परमार्थ निकेतन घाट पर गंगा आरती की। नवीन ने इस मौके पर उपस्थित संत-महात्माओं एवं श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मां गंगा के पावन तट पर आना सदैव आत्मीय एवं आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और सनातन परंपरा की जीवंत धारा है, जिसने सदियों से देश की आध्यात्मिक चेतना को पोषित किया है।

विकसित भारत के लिए बिहार का तेज विकास जरूरी : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में बिहार की प्रगति अत्यंत महत्वपूर्ण है और राज्य के ''नवनिर्माण'' तथा व्यापक बदलाव के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार देर शाम नई दिल्ली में बिहार से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात बिहार कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारियों के साथ राज्य के विकास पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार ने आधारभूत संरचना, बिजली, संपर्क व्यवस्था और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन राज्य को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, बिहार देश की लगभग 10 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। बिहार के तीव्र विकास के बिना विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से केंद्र और राज्य सरकार के बीच मजबूत सेतु की भूमिका निभाने तथा विकास योजनाओं और निवेश को गति देने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बिहार में हो रहे बदलाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। बेहतर आधारभूत संरचना और संपर्क व्यवस्था से राज्य में आने वाले लोगों को विकास का अनुभव होता है। उन्होंने पर्यटन क्षेत्र को मजबूत करने और बिहार की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत को नई पहचान दिलाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

एनसीडब्लयू प्रमुख का अरूणाचल प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा मजबूत करने के लिए तालमेल का आह्वान

ईटानगर/भाषा। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने शुक्रवार को अरूणाचल प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा और न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत करने के लिए अधिक जागरूकता, संवेदनशीलता एवं हितधारकों के बीच तालमेल की अपील की। रहाटकर ने यहां सुरक्षा अधिकारियों, वन-स्टॉप सेंटर (ओएससी) कर्मियों, परामर्शदाताओं और अन्य अधिकारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कई महिलाएं सामाजिक दबाव, आर्थिक निर्भरता और अपने अधिकारों के बारे में जागरूकता की कमी के कारण अब भी पीड़ा सह रही हैं। उन्होंने कहा, ''घरेलू हिंसा की घटनाएं अक्सर घरों के अंदर दबी रह जाती हैं, ऐसे में सुरक्षा अधिकारियों एवं सहायता प्रणालियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।'' रहाटकर ने इस बात पर जोर दिया कि अग्रिम पंक्ति की संस्थाओं को समय पर सहायता और राहत प्रदान करने की सुविधाओं से लैस रहना चाहिए।

एनसीडब्ल्यू की प्रमुख ने महिला-केंद्रित सेवाओं में लगे अधिकारियों के लिए कानूनी साक्षरता के महत्व पर जोर दिया तथा घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों की व्यापक जानकारी रखने की अपील की। उन्होंने कहा, ''इन कानूनों की पर्याप्त समझ के बिना, संकटग्रस्त महिलाओं को प्रभावी राहत और न्याय प्रदान करना मुश्किल होगा।'' राज्य की भौगोलिक चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए, एनसीडब्ल्यू प्रमुख ने कहा कि अरूणाचल प्रदेश के दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों के लिए मजबूत संस्थागत तंत्र एवं बेहतर प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता है ताकि राज्य के हर कोने में महिलाओं को न्याय और सहायता सेवाएं मिल सकें।

मणिपुर के उखरुल में संदिग्ध उग्रवादियों की गोलीबारी में ट्रक चालक की मौत

इंफाल/भाषा। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को मालवाहक वाहनों के काफिले पर संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में एक ट्रक चालक की मौत हो गई तथा एक पुलिस आरक्षी घायल हो गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा, ''सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और पुलिस समेत सुरक्षा बलों की एक संयुक्त टीम लगभग 15 से 20 वाणिज्यिक ट्रकों को उखरुल जिले की ओर ले जा रही थी, तभी टीएम कासोम के निकट संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर हमला कर दिया, जिसमें एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।'' एक सरकारी बयान के अनुसार मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को उखरुल जिले में मालवाहक वाहनों के काफिले पर उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी की कड़ी निंदा की है। जनहानि पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सिंह ने कहा कि मालवाहक वाहन पर घात लगाकर हमला करना और चालक की जान लेना, जो पूरे राज्य में आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, सबसे कायरतापूर्ण कृत्यों में से एक है और इसका उद्देश्य क्षेत्र में व्याप्त तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ाना है। ऐसा लगता है कि राज्य में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए राज्य सरकार की पहलों को विफल करने के इरादे से निहित स्वार्थ वाले संगठनों द्वारा किया गया यह हमला है। सिंह ने उस पुलिस आरक्षी के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की, जो घात लगाकर किए गए हमले में अपने घुटने में गोली लगने से घायल हो गया था।

जनता गैर-भाजपा राज्य सरकारों को भी यूसीसी लागू करने के लिए विवश करेगी: कानून मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा है कि जनता विपक्ष शासित राज्यों को भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए विवश करेगी। मेघवाल ने कहा कि यूसीसी के विचार को लंबे समय से संवैधानिक समर्थन प्राप्त है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित असम, गुजरात और उत्तराखंड में यूसीसी कानूनों के पारित होने के विषय पर मेघवाल ने 'पीटीआई-भाषा' को साक्षात्कार में कहा कि यह एक ''अच्छी बात'' है कि तीन राज्य पहले ही आगे बढ़ चुके हैं और कई अन्य राज्यों ने इस मुद्दे की पड़ताल के लिए समितियां गठित की हैं। उन्होंने कहा, तीन राज्यों ने पहले ही ऐसा कर लिया है, यह अच्छी बात है। अब अन्य राज्यों ने भी समितियां गठित कर ली हैं। इस मुद्दे पर काफी लंबे समय से चर्चा हो रही है। मंत्री ने कहा, संविधान तैयार करने के समय भी यह मांग मौजूद थी और बाबासाहेब अंबेडकर ने भी कहा था कि देश को इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। लेकिन तत्कालीन नेताओं ने इसे बाद के लिए टालने का फैसला किया और इसे निर्देशक सिद्धांतों के अंतर्गत रखा गया।'' संविधान का अनुच्छेद 44, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का हिस्सा है, कहता है कि सरकार भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी।

बंगाल में एक अगस्त से शुरू होगी जनगणना, पिछली सरकार ने राजनीतिक कारणों से देरी की : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार ने जनगणना अभियान के संबंध में केंद्र से मिले पत्र पर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण देशव्यापी गणना प्रक्रिया की तैयारियों में राज्य अन्य राज्यों से पिछड़ गया। राज्य सचिवालय में जनगणना के पहले चरण पर बैठक की अध्यक्षता करने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में शुभेंदु ने दावा किया कि केंद्र ने पिछले साल फरवरी में तत्कालीन राज्य सरकार को जनगणना के लिए प्रारंभिक कार्य शुरू करने हेतु पत्र लिखा था, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा, ''पिछली सरकार ने राजनीतिक कारणों से जनगणना की प्रक्रिया शुरू नहीं की। तत्कालीन मुख्य सचिव भी राजनीतिक सहमति का इंतजार कर रहे थे।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''चूंकि पिछली सरकार ने जनगणना से संबंधित कोई भी कार्य नहीं किया, इसलिए अन्य राज्य काफी आगे निकल गए हैं जबकि हम पीछे रह गए हैं।'' स्थिति को ''दुर्भाग्यपूर्ण'' बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इस अंतर को पाटने के लिए तेजी से कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''कार्यभार संभालने के बाद, मैंने 11 मई को मुख्य सचिव की उपस्थिति में हुई पहली कैबिनेट बैठक में कई निर्णय लिए। उनमें जनगणना की प्रक्रिया शुरू करना भी शामिल था।''

मणिपुर पुलिस संग्रहालय पुलिसकर्मियों के समर्पण और बलिदान को श्रद्धांजलि : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शुक्रवार को कहा कि नया पुलिस संग्रहालय पुलिसकर्मियों के समर्पण, साहस और बलिदान को सम्मान प्रदान करने के लिए बनाया गया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा, ''मणिपुर के पुलिस महानिदेशक राजीव सिंह और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में प्रथम मणिपुर राइफल्स बटालियन परिसर में आज मणिपुर पुलिस संग्रहालय का उद्घाटन करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा, ''यह संग्रहालय प्राचीन हथियारों, ऐतिहासिक वर्दी, दुर्लभ तस्वीरों और अभिलेखीय दस्तावेजों के उल्लेखनीय संग्रह के माध्यम से मणिपुर पुलिस की समृद्ध विरासत, विकास और सेवा को संरक्षित करता है।'' सिंह को डीजीपी और प्रथम मणिपुर राइफल्स की कमांडिंग ऑफिसर (सीओ) खोइसनाम शर्मा देवी ने प्राचीन हथियारों के बारे में भी जानकारी दी, जिनका उपयोग द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान किया गया था।

साथ ही उन्हें मणिपुर पुलिस की पुरानी तस्वीरें और 1990 के दशक के उत्तरार्ध में मणिपुर पुलिस द्वारा उपयोग किए गए बहुत उच्च आवृत्ति वाले रेडियो ट्रांससीवर भी दिखाए गए। बाद में, सिंह ने मंत्रीपुखरी स्थित मणिपुर पुलिस मुख्यालय का दौरा किया और भूतल पर स्थित एक शिशुगृह (क्रेच) का उद्घाटन किया।

झारखंड: ऑनलाइन धोखाधड़ी के आरोप में एक नाबालिग समेत पांच लोग पकड़े

रांची/भाषा। झारखंड की राजधानी रांची में पुलिस ने फर्जी दस्तावेजों के जरिये लोगों के नाम पर बैंक खाते खोलकर उनसे धोखाधड़ी करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को साइबर धोखाधड़ी के आरोप में बृहस्पतिवार रात यहां एक अपार्टमेंट में छापेमारी के दौरान पकड़ा गया। रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन ने बताया कि छापेमारी के दौरान चार अंतर-जिला साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया और एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि वे फर्जी पहचान दस्तावेज के जरिये लोगों के नाम पर फर्जी खाते खोलकर उनसे धोखाधड़ी करते थे। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों ने यह भी खुलासा किया कि फ्लैट के मालिक निखिल ने उन्हें वहां बुलाया था, उन्हें साइबर अपराध करने का तरीका सिखाया था और वह उनके माध्यम से अपनी योजनाओं को अंजाम दे रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपियों में से तीन रामगढ़ जिले के रहने वाले हैं, जबकि एक-एक बोकारो और जामताड़ा का है।

असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने अंतरराज्यीय सीमा विवाद पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके मेघालय के समकक्ष कॉनराड के. संगमा ने शुक्रवार को अंतर-राज्यीय सीमा विवाद के समाधान में तेजी लाने का फैसला किया।

संगमा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की और दोनों राज्यों से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मेघालय के मुख्यमंत्री और मेरे प्रिय भाई कॉनराड संगमा का आज लोक सेवा भवन में स्वागत करना मेरे लिए सम्मान की बात थी।

हमारी उत्कृष्ट चर्चा हुई और हमने लंबे समय से लंबित मुद्दों पर कुछ अच्छी प्रगति की है। उन्होंने कहा कि सीमा निर्धारण के संबंध में दोनों पक्षों ने जारी प्रक्रिया में तेजी लाने और इस मुद्दे का स्थायी समाधान निकालने पर सहमति व्यक्त की।

शर्मा ने कहा, एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना से प्रेरित होकर असम और मेघालय विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग कर रहे हैं और सहयोग के ऐसे अवसर तलाश रहे हैं जो अष्टलक्ष्मी क्षेत्र के विकास पथ को गति प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को भारत की 'अष्टलक्ष्मी' कहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि चर्चा में असम-मेघालय सीमा सहित प्रमुख अंतर-राज्यीय मामलों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने आपसी सम्मान, मित्रता और निरंतर संवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

असम और मेघालय के बीच 884.9 किलोमीटर लंबी अंतरराज्यीय सीमा पर स्थित 12 क्षेत्रों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।

ओडिशा जिमनास्टिक्स का अजीब मामला: मृत अध्यक्ष के नाम पर 1.96 करोड़ रुपए का बिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। देश में जहां खेल प्रशासन अक्सर अलग-अलग कारणों से जांच के घेरे में रहता है, वहीं ओडिशा जिमनास्टिक्स संघ का एक अजीब मामला सामने आया है जिसमें संगठन ने एक ऐसे अध्यक्ष के नाम का इस्तेमाल जारी रखा है जिनका एक साल से अधिक समय पहले निधन हो चुका है और उन्हीं के नाम पर राज्य सरकार से फंड मांगने के लिए पत्राचार करता रहा है।

ओडिशा के खेल और युवा सेवा विभाग के कमिश्नर-सह-सचिव को दी गई एक शिकायत में यह सवाल उठाया गया है कि ओडिशा जिमनास्टिक्स संघ (ओजीए) 2026 की राष्ट्रीय जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप के लिए राज्य सरकार से लगभग 98 लाख रुपए कैसे हासिल कर पाया जबकि 1.96 करोड़ रुपए से ज्यादा के बिलों और सरकारी कागजों पर अध्यक्ष के तौर पर दिवंगत समीर डे का नाम ही लिखा हुआ था।

यह प्रतियोगिता 25 अप्रैल से तीन मई तक कलिंगा स्टेडियम में आयोजित की गई थी। नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजेडी सरकार में मंत्री रह चुके समीर डे का निधन नवंबर 2024 में हो गया था।

जल्दी ही भारत के लिए खेलेंगे सूर्यवंशी लेकिन क्या अपने आईपीएल फॉर्म को बरकरार रख पायेंगे?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुल्लांपुर/भाषा। क्रिकेट जगत को पूरा यकीन है कि एलिमिनेटर में अपनी तूफानी पारी के बाद वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए सबसे छोटे प्रारूप में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन क्या 15 साल का यह युवा खिलाड़ी अपनी शानदार आईपीएल लय को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी दोहरा पाएगा?

आयरलैंड और इंग्लैंड टी20 शृंखला के लिए टीम की घोषणा जून के पहले हफ्ते में की जाएगी और सूर्यवंशी का नाम इसमें शामिल होने की पूरी संभावना है, भले ही विश्व कप जीतने वाली इकाई में उनके लिए कोई पक्की जगह उपलब्ध नहीं हो। पिछले साल अपने पदार्पण सत्र में सूर्यवंशी आईपीएल इतिहास में शतक लगाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे और अपने पहले पूरे सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमराह, कागिसो रबाडा और हाल में पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाजों की धुनाई करके अपनी साख को कई गुना बढ़ा लिया है।

सूर्यवंशी की 29 गेंद में 97 रन की पारी के दौरान हर गेंद पर छक्का लगाने की कोशिश करने के बावजूद ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि वह कोई बहुत ज्यादा जोखिम भरा खेल खेल रहे थे। उनके लगाए सभी 12 छक्के क्रिकेट के सही शॉट थे, इसमें कोई बेतुका शॉट नहीं था। कमिंस और उनकी गेंदबाजी इकाई ने उन्हें पैड्स पर गेंदें डालकर निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन सूर्यवंशी इतने फुर्तीले थे कि उन्होंने पलक झपकते ही सामंजस्य बिठाकर उन गेंदों को सीधे मैदान के बाहर भेज दिया।

अभिषेक शर्मा और ट्रैविस हेड जैसे खिलाड़ियों के उलट, वह जगह बनाने के लिए स्टंप्स से ज्यादा पीछे नहीं हटते। वह क्रीज में पीछे रहकर बिल्कुल स्थिर खड़े होकर गुड लेंथ गेंदों को भी मैदान के बाहर भेजना पसंद करते हैं। एलिमिनेटर चरण तक उनके रिकॉर्ड 65 छक्कों में से ज्यादातर छक्के गुड लेंथ गेंदों पर ही आए हैं।

सूर्यवंशी को महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर जैसे दिग्गजों का आशीर्वाद मिला है कि वह उच्चतम स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करें, और शायद वह ऐसा करेंगे भी। लेकिन जब तक यह युवा खिलाड़ी खुद इन सवालों का जवाब नहीं दे देता, तब तक इस बात पर सवाल बने रहेंगे कि क्या वह अपनी जबरदस्त फॉर्म को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी बरकरार रख पाएगा।

भारत के पूर्व विकेटकीपर दीप दासगुप्ता का मानना है कि सूर्यवंशी भारत के लिए खेलने के लिए जितना तैयार हो सकता है, उतना वह पूरी तरह तैयार है। उन्होंने पीटीआई से कहा, ''वह सच में कमाल का खिलाड़ी है। उसने रबाडा, बुमराह, स्टार्क जैसे शीर्ष गेंदबाजों के खिलाफ कैसी बल्लेबाजी की है। मेरी उससे कुछ बार बातचीत हुई है। उसे बल्लेबाजी करना बहुत पसंद है।

तृणमूल कांग्रेस के नेताओं में असंतोष के बीच ममता बनर्जी ने 'गिरगिट' शीर्षक से एक कविता लिखी

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्ता चले जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस के भीतर असंतोष की बढ़ती आवाजों के बीच, पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 'गिरगिटि (गिरगिट)' शीर्षक से एक नई कविता लिखी है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक उन नेताओं के लिए एक अप्रत्यक्ष संदेश मानते हैं जो हाल के दिनों में पार्टी की आलोचना करने लगे हैं।

बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर साझा की गई कविता 'गिरगिट' में उन लोगों को निशाना बनाया है जो निजी फायदे के लिए अक्सर अपनी निष्ठा, विश्वास और स्थिति बदलते रहते हैं, जिस तरह गिरगिट अपना रंग बदलता है। कविता में, पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा है कि कुछ लोग 'गिरगिट से भी

ज्यादा खतरनाक' होते हैं क्योंकि वे अपने आर्थिक लाभ और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए घंटों में अपना चरित्र एवं चाल बदल लेते हैं। कविता में कहा गया है, ''आप अपने चरित्र में और कितना बदलाव लाना चाहते हैं? आपके पैरों में कितना चढ़ावा चढ़ाया जाएगा? आप खुद को और कितना बदलना चाहते हैं?'' राजनीतिक हलकों में कई लोगों ने इसे उन नेताओं पर कटाक्ष के रूप में देखा है जिन्होंने हाल में तृणमूल से खुद को अलग कर लिया है।

यह कविता ऐसे समय में आई है जब कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पार्टी के प्रति असंतोष व्यक्त किया है, भ्रष्टाचार से संबंधित आरोप लगाए हैं और आंतरिक कामकाज पर सवाल उठाए हैं।

इस असंतोष के साथ-साथ हाल के सप्ताहों में पार्टी पदों से कई इस्तीफे भी हुए हैं। बनर्जी की कविता किसी का नाम लिए बिना सार्वजनिक जीवन में कृतज्ञता, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनशीलता के क्षरण पर शोक व्यक्त करती है। वह यह बताती है कि कुछ व्यक्ति परिस्थितियां बदलने पर अपने रिश्तों, विचारधाराओं और विश्वासों को आसानी से बदल लेते हैं।

सुविचार

शुरुआत करने के लिए आपका महान होना ज़रूरी नहीं है, लेकिन महान होने के लिए आपकी शुरुआत का होना ज़रूरी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुवेंदु की सख्ती से घुसपैठियों में बेचैनी

सुवेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल का मुख्यमंत्री बनने के बाद बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने की जो दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाई है, वह कम ही राजनेता दिखा पाते हैं। अगर ऐसी कार्रवाई हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में होने लगे तो ये लोग भारत में घुसपैठ करने से पहले हजार बार सोचें। हकीमपुर सीमा चौकी पर जिस तरह बांग्लादेशियों का जमावड़ा लगा, उसे देखकर हैरानी होती है। ये इतने वर्षों तक भारत के संसाधनों का उपभोग करते रहे! तृणकां सरकार सबकुछ देखकर भी अनजान बनी रही। बीएसएफ को बाड़ लगाने के लिए जमीन देने और घुसपैठियों को निकाल भगाने की कार्रवाई का आदेश देने में जितना समय सुवेंदु अधिकारी को लगा है, उतना ही ममता बनर्जी को लगता। अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो आज प. बंगाल की तस्वीर कुछ और होती। तृणकां ने वोटबैंक के लालच में राष्ट्रीय हितों की घोर अनदेखी की। उसने देश की सुरक्षा से खिलवाड़ किया। भारतीय नागरिकों के अधिकारों पर अवैध बांग्लादेशियों को डाका डालने दिया। इन बांग्लादेशियों ने अब तक हमारे कितने लोगों के हिस्से का राशन डकारा होगा, कितनों का रोजगार छीना होगा? अगर इस हिसाब-किताब में जुटेंगे तो आंकड़ा करोड़ों में नहीं, अरबों-खरबों में जाएगा। ध्यान रहे, अभी कुछ ही बांग्लादेशी दिखाई दे रहे हैं। जिस दिन सख्ती बढ़ेगी, इनके बड़े-बड़े झुंड प्रकट होंगे और ढाका की राह पकड़ेंगे। इन्हें किसी कीमत पर यहां रहने नहीं दिया जाए। जब अलग देश मिल गया तो यहां रहने-कमाने और राजनीति को प्रभावित करने का मोह छोड़ना होगा। जिसे किसी काम से आना है, वह भारत सरकार से अनुमति लेकर आए, जैसे अन्य लोग कानूनी तरीके से आते हैं।

बांग्लादेशी घुसपैठियों के अच्छे दिन पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु के जमाने से ही आने लगे थे। सीपीआई (एम) के लगभग साढ़े तीन दशक लंबे शासन में ये सरहद पार कर इधर आते रहे और पश्चिम बंगाल में अपने ठिकाने बनाते रहे। कई घुसपैठिए बढ़िया कमाई के लिए अन्य राज्यों में चले गए। कभी ममता बनर्जी इनका विरोध करती थीं। उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर चर्चा की मांग करते हुए लोकसभा में कागज़ तक फेंक डाले थे। जब खुद सत्ता में आईं तो इस मुद्दे को भूल गईं! तब उन्हें घुसपैठियों में वोटबैंक दिखाई देने लगा था। अब हालात बदल रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी के इन शब्दों को सुनकर घुसपैठियों में बेचैनी बढ़ना स्वाभाविक है, 'हमने पुलिस को पहले ही कह दिया है कि उन्हें जेल न भेजें। उनके खाने-पीने और दवाइयों पर खर्च करने का कोई मतलब नहीं है। क्या वे हमारे ... हैं? ... जल्दी-जल्दी भागो, नहीं तो जो करना है, सरकार करेगी।' बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने के काम में तेजी लानी चाहिए। अभी जो यह सोचकर अन्य इलाकों में छिपे हुए हैं कि 'हम पकड़े नहीं जाएंगे और कोई कार्रवाई नहीं होगी', उन्हें चिह्नित कर प्रशासन द्वारा कठोर चेतावनी दी जानी चाहिए। साथ ही, जिन घुसपैठियों के पास आधार कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और अन्य भारतीय दस्तावेज हैं, उनसे यह जरूर पूछा जाना चाहिए, 'आपके पास ये कहां से आए? किन लोगों ने दस्तावेज बनाने में मदद की?' घुसपैठियों से भी ज्यादा खतरनाक लोग वे हैं, जो फर्जी दस्तावेज बनाने में उनकी मदद करते हैं। वे चंद रुपयों के लिए भारत की एकता, अखंडता और सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रहे हैं। सुवेंदु अधिकारी 'हिसाब' करने की बात कहते हैं। सबसे पहले उन लोगों का हिसाब होना चाहिए, जिनकी वजह से बांग्लादेशी घुसपैठिए फर्जी दस्तावेज बनाकर यहां मौज करते रहे। उन्हें विश्वास था कि भारत में ये लोग रुपए लेकर अपने ही देश के खिलाफ काम करने के लिए तैयार हो जाएंगे। तृणकां सरकार ने तो वैसे ही आंखें मूंद रखी थीं। जब इतनी सहूलियत होगी तो घुसपैठिए क्यों नहीं आएंगे? जो घुसपैठिए अभी बांग्लादेश न जाएं, उन्हें भविष्य में कठोर दंड देकर निकाला जाए। जब सबको पता चलेगा कि भारत में अवैध ढंग से कदम रखना बहुत महंगा पड़ेगा तो कोई घुसपैठिया इधर आने का दुस्साहस नहीं करेगा।

ट्वीटर टॉक

मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि राज्य में एक मज़बूत रोड नेटवर्क के इरादे को आगे बढ़ाते हुए, पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने 33 से ज़्यादा ज़िलों में 676.74 करोड़ की लागत से 77 रोड बनाने और अपग्रेड करने के प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है।

-दिया कुमारी

आज संसद भवन परिसर में संसदीय कार्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की बैठक के दौरान सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रभावी, सरल और व्यापक प्रयोग तथा प्रशासन को जनता तक सुलभ बनाने में हिंदी भाषा की भूमिका पर माननीय सांसदों से सार्थक चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता और पावागड़ा से पूर्व मंत्री वेंकटरमणप्पा के निधन से मुझे बहुत दुख हुआ है। वेंकटरमणप्पा सादगी, ईमानदारी और लोगों के पसंदीदा व्यक्तित्व वाले नेता थे। उनके जाने से न केवल राजनीतिक क्षेत्र बल्कि पूरा समाज कमज़ोर हो गया है।

-सिद्दरामय्या

प्रेरक प्रसंग

आखिर में यह भी नहीं रहेगा

एक साधु देश में यात्रा के लिए पैदल निकला हुआ था। एक बार रात हो जाने पर वह एक गाँव में आनंद नाम के व्यक्ति के दरवाजे पर रुका। आनंद ने साधू की खूब सेवा की। दूसरे दिन आनंद ने बहुत सारे उपहार देकर साधू को विदा किया। साधू ने आनंद के लिए प्रार्थना की भगवान करे तू दिनों दिन बढ़ता ही रहे। साधू की बात सुनकर आनंद हँस पड़ा और बोला अरे, महात्मा जी! जो है यह भी नहीं रहने वाला। साधू आनंद की ओर देखता रह गया और वहाँ से चला गया। दो वर्ष बाद साधू फिर आनंद के घर गया और देखा कि सारा वैभव समाप्त हो गया है। पता चला कि आनंद अब बगल के गाँव में एक जमींदार के यहाँ नौकरी करता है। साधू आनंद से मिलने गया। आनंद ने अभाव में भी साधू का स्वागत किया। झोंपड़ी में फटी चटाई पर बिठाया। खाने के लिए सूखी रोटी दी। दूसरे दिन जाते समय साधू की आँखों में आँसू थे। साधू कहने लगा हे भगवान ! ये तूने क्या किया? आनंद पुन: हँस पड़ा और बोला महाराज आप क्यों दु:खी हो रहे है? महापुरुषों ने कहा है कि भगवान इन्सान को जिस हाल में रखे, इन्सान को उसका धन्यवाद करके खुश रहना चाहिए। समय सदा बदलता रहता है और सुनो! यह भी नहीं रहने वाला।

सामयिक

पांच देशों की यात्रा में मोदी ने बजाया भारत का डंका

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पांच देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) नीदरलैंड, स्वीडन, नार्वे और इटली की छह दिवसीय यात्रा संपन्न हो चुकी है। पश्चिमी एशिया संकट सहित दुनियाभर में चल रही उथल - पुथल तथा चीन की विस्तारवादी नीतियों के दृष्टिगत प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा इन देशों से द्विपक्षीय संबंध सुधारने की दिशा में एक अहम पड़ाव बनी। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के दौरान उन्हें स्वीडन तथा नार्वे जैसे देशों ने अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान देकर सम्मानित किया। नार्वे की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-नार्डिक देशों के शिखर सम्मेलन में भी भाग लिया। प्रधानमंत्री की पांच देशों की यात्रा के दौरान कुल 57 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के व्यापक कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक निहितार्थ हैं। इन यात्राओं का एक परोक्ष संदेश यह भी है अब भारत दुनिया के ताकतवर देशों की कूटनीति की छत्रछाया से बाहर निकल कर अपनी स्वतंत्र नीति पर चल रहा है।

यूएई की यात्रा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा के प्रथम चरण में यूएई पहुंचे। यहाँ भारत और यूएई के मध्य सात समझौते हुए। इन समझौतों के अंतर्गत भारत व यूएई में संयुक्त तौर पर पेट्रो उत्पादों के रणनीतिक भंडार बनाए जाएंगे। यूएई भारत में दीर्घकालिक तौर पर एलपीजी आपूर्ति करेगा, पांच अरब डॉलर का नया निवेश करके भारत में सुपर कंप्यूटर क्लस्टर स्थापित करेगा। एक समझौता गुजरात के वाडीनार में शिप रिपेयरिंग क्लस्टर बनाने को लेकर भी है। इससे लाखों लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। दोनो देशों की कंपनियां मिलकर बहुत शक्तिशाली कंप्यूटर प्रणाली स्थापित करेंगी जो एआई ट्रेनिंग, रिसर्च और बड़े-बड़े मॉडल चालने के लिए प्रयोग की जाएगी। दोनों देशों के बीच रक्षा, औद्योगिक सहयोग, नवाचार उन्नत प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास शिक्षा एवं सैन्य डॉक्ट्रिन, विशेष अभियान, अंतर-संचालन क्षमता, समुद्री सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, सुरक्षित संचार और सूचना आदान प्रदान के लिए एक व्यापक रणनीतिक ढांचा स्थापित करने की सहमति बनी है।

नीदरलैंड- अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड पहुंचे जहां उनका भव्य व गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। भारत और नीदरलैंड के मध्य 17 द्विपक्षीय समझौतों से एक नया रिकॉर्ड बना। भारत और नीदरलैंड व्यापार और निवेश रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष, खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में साथ मिलकर काम करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी और नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब जे टेन के मध्य हूई वार्ता के बाद अलग-अलग क्षेत्रों में 17 समझौते हुए। हरित हाइड्रोजन के विकास पर सहमति के साथ दोनों देश संयुक्त रक्षा उपकरण प्रणाली घटकों और अन्य प्रमुख क्षमताओं के संयुक्त निर्माण के लिए रक्षा औद्योगिक रोडमैप स्थापित करने की संभावनाओं का भी पता लगाएंगे। इसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संयुक्त उद्यमों की स्थापना शामिल है। संयुक्त बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने विज्ञान और नवाचार, सतत विकास, स्वास्थ्य, कृषि जल प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा संक्रमण, समुद्री विकास और जन संबंधों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति व्यक्त की। आव्रजन मोबिलिटी पर भी समझौता हुआ। इसके अंतर्गत कुशल भारतीय पेशवेरों के लिए नीदरलैंड में काम करने की प्रक्रियाओं को आसान व निष्पक्ष बनाया जाएगा। अवैध प्रवासन रोकने के लिए भी सहमति बनी है। नीदरलैंड के पास पानी के प्रबंधन की बेहतरीन तकनीक है जिसमें भारत के साथ सहयोग मजबूत होगा। समझौतों से अर्धचालक, अहम खनिज, स्वास्थ्य, जल, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि व संस्कृति जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ेगा। इस दौरे की एक बड़ी बात यह रही कि नीदरलैंड के प्रधानमंत्री जेटेन ने अप्रैल 2025 में हुए पहलगात आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को अटूट समर्थन का भरोसा दिया।

स्वीडन- प्रधानमंत्री नरेंद मोदी अपनी यात्रा के तीसरे चरण में स्वीडन पहुंचे जहां एयरपोर्ट पर स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टरसन ने स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। स्वीडन ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च सम्मान रॉयल ऑर्डरऑफ़ पोलर स्टार से सम्मानित किया। यह प्रधानमंत्री मोदी का 31 वां सम्मान है। भारत-स्वीडन संबंधों में प्रधानमंत्री मोदी के असाधारण योगदान और दूरदर्शी नेतृत्व के लिए उन्हें इस सम्मान से सम्मानित किया गया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और पारस्परिक व्यापार को बढ़ाने सहित व्यापक अवसरों और निवेश को बढावा़ देने पर चर्चा की।

नार्वे- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नार्वे यात्रा अत्यंत महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 43 वर्षों के अंतराल के बाद की जाने वाली नार्वे यात्रा थी। प्रधानमंत्री मोदी ने नार्वे के शहर ओस्लो में भारत-नार्डिक शिखर सम्मेलन में भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी को नार्वे का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड क्रास ऑफ़ द रॉयल नार्वेजियन आर्डर ऑफ़ मेरिट से सम्मनित किया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी को मिला 32 वां अंतरराष्ट्रीय सम्मान है। भारत और नार्वे के बीच ग्रीन एनर्जी और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए ग्रीन स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप समझौते पर सहमति बनी।नार्वे के साथ स्वास्थ्य और डिजिटल तकनीक क्षेत्र में भी समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक संघर्ष के बीच भारत और यूरोप के रिश्ते नए स्वर्णिम समय में प्रवेश कर रहे हैं।

इटली- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पांचवां और अंतिम पड़ाव इटली रहा, जहां भारत और इटली ने आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए विशेष रणनीतिक साझेदारी पर बल दिया। दोनों नेताओं ने भारत-इटली साझेदारी के संपूर्ण आयामों पर विस्तृत चर्चा की और आपसी संबंधों को दिशा देने के लिए वर्ष 2025-29 की कार्य योजना की समीक्षा की। दोनों नेताओं के मध्य भारत- ईयू के मध्य मुक्त व्यापार समझौते पर भी चर्चा हुई। इटली की पीएम मेलोनी ने इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप इकोनामिक कारिडोर जैसी बड़ी वैश्विक पहल पर सहयोग बढ़ाने पर बल दिया है। 2027 में भारत -इटली ईयर ऑफ़ कल्चर एंड टूरिज्म मनाने की योजना पर भी चर्चा की गयी। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत-इटली ने आपसी सहयोग और प्रगाढ़ करने का निर्णय किया है।

इटली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी एएफओ के मुख्यालय में आयोजित समारोह में एएफओ का एग्रिकोला मेडल प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान कृषि, खाद्य सुरक्षा, और ग्रामीण विकास में भारत के योगदान के लिए प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री की इटली यात्रा के दौरान भारत की मेलोडी टॉफी चर्चा में रही क्योंकि यह स्वदेशी उत्पाद प्रधानमंत्री ने इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी को उपहार में दिया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएं कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण थीं, इनमें सामरिक, कूटनीतिक तथा रणनीतिक संदेश छिपे हुए थे। इस यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी नए अवसरों व सप्लाई चेन के नए मार्गों की खोज करने गए थे। यदि यूएई के रास्ते यूरोप के देशों तक नया कॉरिडोर बन जाता है तो इससे भविष्य में व्यापार बहुत आसान हो जायेगा। (साभार : प्रभासाक्षी)

नजरिया

अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति की अमरज्योति

ललित गर्ग

मो. 9811051133

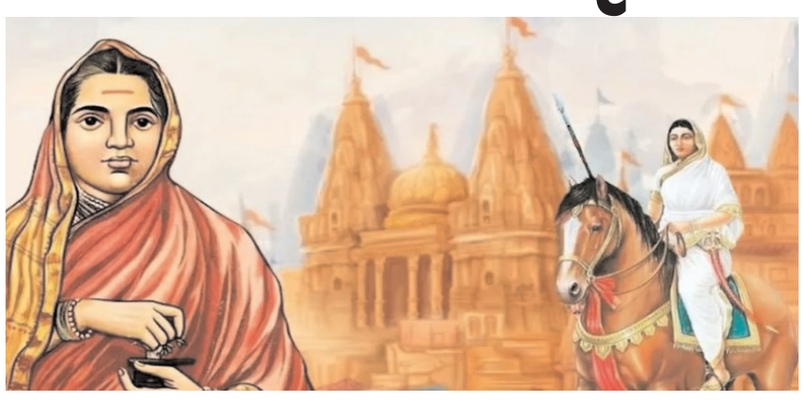

अहिल्याबाई का व्यक्तित्व आध्यात्मिकता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय था। वे धर्मनिष्ठ थीं, किंतु कट्टर नहीं। वे परोपकारी थीं, किंतु दिखावे से दूर। वे शक्तिशाली शासक थीं, किंतु विनम्रता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि सत्ता का सर्वोच्च रूप सेवा है। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीए ने उन्हें दार्शनिक रानी कहा था, जबकि एनी बेसेंट ने उनके शासनकाल को मालवा का स्वर्ण युग बताया।

भारतीय इतिहास के विशाल आकाश में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं, जो केवल अपने समय के शासक नहीं होते, बल्कि युग की चेतना बन जाते हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ऐसा ही एक दिव्य व्यक्तित्व हैं। वे केवल मालवा की रानी नहीं थीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सुशासन, न्याय और लोककल्याण की जीवित प्रतिमूर्ति थीं। 31 मई 2026 को उनकी 301वीं जयंती मनाई जा रही है। यह अवसर केवल एक महान शासिका को स्मरण करने का नहीं, बल्कि उस दिव्यदृष्टि और जीवन-दर्शन को पुनः समझने का है, जिसकी आज के भारत को अत्यंत आवश्यकता है। 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में जन्मी अहिल्या एक सामान्य परिवार से थीं। उनके पिता मनकोजी शिंदे ग्राम प्रधान थे। उस समय जब स्त्री-शिक्षा का प्रचलन लगभग नहीं था, तब उन्होंने अपनी पुत्री को शिक्षा, संस्कार और आत्मविश्वास दिया। यही शिक्षा आगे चलकर उन्हें भारतीय इतिहास की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में स्थापित करने वाली बनी।

मालवा के शासक मल्हार राव होलकर ने बालिका अहिल्या में अद्भुत प्रतिभा देखी और उनका विवाह अपने पुत्र खंडेराव होल्कर से करवा दिया। किंतु विवाह के कुछ वर्षों बाद ही युद्ध में पति की मृत्यु हो गई। उस युग की परंपराओं के अनुसार अहिल्याबाई सती होना चाहती थीं, लेकिन उनके ससुर मल्हार राव ने उन्हें रोकते हुए कहा कि राज्य और प्रजा को उनकी आवश्यकता है। यही वह क्षण था, जहां से एक साधारण स्त्री का असाधारण नेतृत्व आरंभ हुआ। अहिल्याबाई का जीवन संघर्षों की अग्निपरीक्षा रहा। पति की मृत्यु, पुत्र मालेराव का निधन और बाद में ससुर मल्हार राव का बिछोह- इन सब आघातों के बाद भी उन्होंने स्वयं को टूटने नहीं दिया। उन्होंने व्यक्तिगत पीड़ा को जनसेवा की शक्ति में बदल दिया। यही कारण है कि उनका शासन केवल राजसत्ता नहीं, बल्कि करुणा और उत्तरदायित्व का आदर्श बन गया।

1767 में जब वे मालवा की गद्दी पर बैठीं, तब राजनीतिक अस्थिरता, षड्यंत्र और बाहरी आक्रमणों का दौर था। किंतु उन्होंने अद्भुत धैर्य, विवेक और साहस के साथ शासन संभाला। उनका प्रशासन इस बात का उदाहरण था कि सुशासन केवल शक्ति से नहीं, बल्कि संवेदना, न्याय और नैतिकता से संचालित होता है। उन्होंने कर व्यवस्था को सरल बनाया, किसानों पर लगान कम किया और व्यापार को संरक्षण दिया। उनके शासन में मालवा समृद्धि, शांति और सांस्कृतिक विकास का केंद्र बन गया। आज जब राजनीति अक्सर सत्ता-संघर्ष और स्वार्थ का पर्याय बनती जा रही है, तब अहिल्याबाई का जीवन यह संदेश देता है कि शासन का वास्तविक उद्देश्य जनता का कल्याण होना चाहिए। उन्होंने कभी राजसत्ता को अहंकार का माध्यम नहीं बनने दिया। वे प्रतिदिन खुले दरबार में प्रजा की समस्याएं सुनती थीं। उनके न्याय में न पक्षपात था और न विलंब। यही कारण था कि जनता उन्हें 'लोकमाता' कहकर सम्मान देती थी।

अहिल्याबाई का सबसे बड़ा योगदान भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण में दिखाई देता है। मुगल आक्रमणों और राजनीतिक उथल-पुथल के कारण देश के अनेक मंदिर और तीर्थस्थल नष्ट हो चुके थे। उन्होंने केवल मंदिरों का पुनर्निर्माण नहीं करवाया, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, द्वारका, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और उज्जैन सहित अनेक तीर्थों में उन्होंने घाट, मंदिर, कुएं और धर्मशालाएं बनवाईं। यह कार्य किसी संकीर्ण धार्मिक आग्रह से प्रेरित नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता को बचाने का राष्ट्रीय प्रयास था। उनकी दृष्टि केवल धर्म तक सीमित नहीं थी। वे समाज-सुधार की भी प्रबल पक्षधर थीं। उन्होंने विधवाओं को संपत्ति का अधिकार दिया, सती प्रथा और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया तथा महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने का प्रयास किया। यह उस समय की दृष्टि से अत्यंत क्रांतिकारी सोच थी। उन्होंने महिलाओं की एक विशेष सैन्य टुकड़ी भी गठित की। यह इस बात का प्रमाण है कि वे नारी को केवल करुणा की प्रतिमा नहीं, बल्कि शक्ति और नेतृत्व की प्रतीक मानती थीं।

महेश्वर को राजधानी बनाकर उन्होंने उसे संस्कृति, कला और उद्योग का केंद्र बनाया। महेश्वरी साड़ियों की परंपरा आज भी उनके दूरदर्शी आर्थिक चिंतन की साक्षी है। उन्होंने स्थानीय उद्योगों को संरक्षण देकर आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का मॉडल प्रस्तुत किया। वर्तमान समय में जब लोकल फॉर वोकल और आत्मनिर्भर भारत की चर्चा हो रही है, तब अहिल्याबाई का मॉडल और अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। अहिल्याबाई का व्यक्तित्व आध्यात्मिकता और व्यवहारिकता का अद्भुत समन्वय था। वे धर्मनिष्ठ थीं, किंतु कट्टर नहीं। वे परोपकारी थीं, किंतु दिखावे से दूर। वे शक्तिशाली शासक थीं, किंतु विनम्रता उनकी सबसे बड़ी पहचान थी। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि सत्ता का सर्वोच्च रूप सेवा है। ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीए ने उन्हें दार्शनिक रानी कहा था, जबकि एनी बेसेंट ने उनके शासनकाल को मालवा का स्वर्ण युग बताया। यह केवल प्रशंसा नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक सत्य की स्वीकृति है कि अहिल्याबाई ने भारतीय शासन परंपरा को नैतिक ऊंचाई प्रदान की। अहिल्याबाई शील, भक्ति, आस्था, शौर्य, शक्ति एवं धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रभाव के कारण ही वे प्रणम्य हैं, जो परम विदुषी, सनातन धर्म-शासन प्रभाविका, मातृहृदया, कुशल शासक एवं प्रबल धर्मनिष्ठा पूज्याप्रवर हैं। वे हिन्दू धर्म की उच्चतम परम्पराओं, संस्कारों और जीवनमूल्यों से प्रतिबद्ध एक महान विभूति थी, शासक रश्मि थी, सृजन रश्मि थी, नेतृत्व रश्मि थी, विकास रश्मि थी। सनातन धर्म की ध्वजवाहिका थी, एक ऊर्जा थी। उन्होंने ने न केवल कुशल-शासक व्यवस्था के मूल्य मानक गढ़े, बल्कि सामाजिकता, सेवा एवं परोपकार के नये आयाम भी उद्घाटित किये।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता, भ्रष्टाचार और सांस्कृतिक विघटन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब अहिल्याबाई का जीवन हमारे लिए प्रकाशस्तंभ की तरह है। वे बताती हैं कि नेतृत्व केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना है। राष्ट्र निर्माण केवल बड़े भाषणों से नहीं, बल्कि सेवा, न्याय और संवेदना से होता है। अहिल्याबाई होलकर का कृतित्व बहुआयामी, दूरदर्शी और लोककल्याणकारी था। वे केवल एक सफल शासिका नहीं, बल्कि जनसेवा, सुशासन, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और नारी नेतृत्व की अद्वितीय प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने न्यायपूर्ण एवं संवेदनशील शासन व्यवस्था स्थापित कर मालवा को समृद्धि, शांति और विकास के शिखर पर पहुँचाया। कृषि, व्यापार, जलसंधारण, उद्योग एवं जनसुविधाओं को बढ़ावा दिया, किसानों को संरक्षण दिया तथा सामाजिक समरसता को मजबूत किया। धार्मिक एवं सांस्कृतिक चेतना के संरक्षण हेतु तीर्थस्थलों का पुनर्निर्माण एवं विकास कराया। नारी सम्मान, विधवा संरक्षण, शिक्षा, लोकसेवा और परोपकार के क्षेत्रों में उनके कार्य अत्यंत प्रेरणास्पद रहे। उनका कृतित्व प्रशासनिक दक्षता, मातृवत संवेदना, धर्मनिष्ठा, साहस, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की चेतना का अद्वितीय संगम था।

'तमसो मा ज्योतिर्गमय'- मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। ज्योति की यात्रा मनुष्य की शाश्वत अभीप्सा है। इस यात्रा का उद्देश्य है, प्रकाश की खोज। प्रकाश उसे मिलता है, जो उसकी खोज करता है। कुछ व्यक्तित्व प्रकाश के स्रोत होते हैं। वे स्वयं प्रकाशित होते हैं और दूसरों को भी निरंतर रोशनी बांटते हैं। अहिल्याबाई ऐसा ही एक लाइटहाउस था यानी प्रकाश-गृह, जिसके चारों ओर रोशनदान थे, खुले वातायन थे। उनका चिंतन, शासन-व्यवस्था, संस्कृति-प्रेम, संभाषण, आचरण, सृजन, सेवा, परोपकार- ये सब ऐसे खुले वातायन थे, जिनसे निरंतर आलोक प्रस्फुटित होता रहा और पूरी मानवजाति को उपकृत किया। अहिल्याबाई होल्कर भारतीय नारी शक्ति का वह उज्वल अध्याय हैं, जिसमें साहस है, संवेदना है, संस्कृति है और सृजन है। वे इतिहास की स्मृति भर नहीं, वर्तमान की आवश्यकता और भविष्य की प्रेरणा हैं। उनकी 301वीं जयंती पर उन्हें स्मरण करना तभी सार्थक होगा, जब हम उनके जीवन मूल्योंकृसुशासन, लोककल्याण, नारी सम्मान, सांस्कृतिक चेतना और मानवीय संवेदना को अपने राष्ट्रीय जीवन में पुनः प्रतिष्ठित करें। लोकमाता अहिल्याबाई सचमुच भारतीय संस्कृति की वह अमर ज्योति हैं, जो युगों-युगों तक समाज को प्रकाश देती रहेंगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस ने वीएलईओ उपग्रह मिशन के लिए कोरिया की टेलीपिक्स के साथ एमओयू किया

नई दिल्ली/भाषा। बेंगलूरु स्थित बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस ने पृथ्वी की अत्यंत निचली कक्षा (वेरी लो अर्थ ऑर्बिट-वीएलईओ) उपग्रह मिशन के लिए दक्षिण कोरिया की अंतरिक्ष कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान कंपनी 'टेलीपिक्स' के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एमओयू के तहत 'टेलीपिक्स' अपने हाई-रिजॉल्यूशन और व्यापक क्षेत्र को कवर करने वाले ऑप्टिकल पेलोड 'शुएट' को 'बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस' के वीएलईओ उपग्रह मंच के साथ जोड़ेगी।उपग्रह मंच किसी उपग्रह का वह हिस्सा होता है जो पेलोड को ऊर्जा और संचार जैसी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराता है तथा मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करता है।

'बेलाट्रिक्स एयरोस्पेस' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रोहन एम. गणपति ने एक बयान में कहा, ''हमें टेलीपिक्स के साथ साझेदारी कर खुशी हो रही है। उनकी व्यापक क्षेत्र को कवर करने वाली अभिनव ऑप्टिकल पेलोड तकनीक वीएलईओ मिशन के लिए बेहद उपयुक्त है।'' उन्होंने कहा, ''शुरुआती प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मिशन के लिए छोटा और कम घर्षण वाला उपग्रह पर्याप्त हो सकता है, लेकिन वीएलईओ में उपयोगी पेलोड इस्तेमाल करने और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य उपग्रह समूह विकसित करने के लिए बड़े उपग्रह मंचों की जरूरत होगी। इसके लिए प्रणोदन प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण प्रगति भी आवश्यक होगी।''वीएलईओ उपग्रह पृथ्वी से लगभग 150 से 250 किलोमीटर की ऊंचाई पर काम करते हैं, जो पारंपरिक 'पृथ्वी की निचली कक्षा' (एलईओ) उपग्रहों की तुलना में कम है। पृथ्वी के अधिक करीब होने के कारण ये कहीं अधिक हाई-रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें लेने में सक्षम होते हैं। हालांकि, वीएलईओ का वातावरण अधिक घर्षण पैदा करता है।

अभिनेता कबीर बेदी अपनी पत्नी परवीन दुसांज के साथ मुंबई में 'आईफा कोनेक्स' की उद्घाटन शाम के दौरान ग्रीन कार्पेट पर पोज देते हुए।

ब्रिटिशकालीन विरासत स्थलों को संरक्षित करने की जरूरत, राज्य गंभीरता से इस पर काम करें : शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा है कि ब्रिटिश काल में बने जिला कलेक्ट्रेट, अदालतें, अस्पताल भवन, रेलवे स्टेशन और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को संरक्षित किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने राज्यों से इस दिशा में ''अधिक गंभीरता'' के साथ कदम उठाने का आग्रह किया।

बुधवार को 'पीटीआई-वीडियो' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में की गई उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न शहरों में उपेक्षा के कारण औपनिवेशिक दौर की कई ऐतिहासिक इमारतें ढहा दी गईं या ध्वस्तीकरण का सामना कर रही हैं।शेखावत केंद्रीय पर्यटन मंत्री भी हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या मुख्य रूप से प्राचीन स्थलों के संरक्षण पर ध्यान देने वाले विरासत संपत्तियों के संरक्षकों को ब्रिटिश काल की इमारतों पर भी ध्यान देना चाहिए, क्योंकि वे भी पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित हो सकती हैं।

इस पर शेखावत ने कहा, ''भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीन 3,686 राष्ट्रीय महत्व के स्थल हैं। इसके अलावा लगभग सभी राज्यों के अपने-अपने पुरातत्व विभाग हैं और प्रत्येक राज्य के पास सूचीबद्ध स्थल एवं संपत्तियां हैं, जिनके रखरखाव की जिम्मेदारी उन्हीं की है।''मंत्री ने कहा कि कई किले, महल और ब्रिटिश काल की इमारतें एवं स्थल राज्य संरक्षित स्मारक घोषित किए जा चुके हैं और उनका संरक्षण संबंधित राज्य सरकारों की ''जिम्मेदारी'' है। शेखावत ने कहा कि राज्य सरकारें ''अपने उपलब्ध संसाधनों के अनुसार'' इन स्थलों के संरक्षण का कार्य करती हैं।

उनसे यह भी पूछा गया कि देश के कई हिस्सों में औपनिवेशिक काल के वे स्थल, जो संरक्षित नहीं हैं और विरासत सूची में शामिल नहीं किए गए, पिछले कुछ वर्षों में ध्वस्त कर दिए गए हैं। साथ ही, एक संसदीय समिति ने भी एएसआई के दायरे से बाहर ब्रिटिशकालीन विरासत स्थलों के संरक्षण की सिफारिश की है। इस पर शेखावत ने कहा कि देश को स्वतंत्र हुए 75 वर्ष से अधिक समय हो चुका है और सामान्य तौर पर ''100 वर्ष से अधिक पुराने स्थलों'' को विरासत संपत्ति माना जाता है।

कंगना की फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' का पोस्टर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कंगना रनौत इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म का नया मोशन पोस्टर रिलीज कर दिया गया है, जिसमें कई अनदेखे नायकों को सम्मान दिया गया है। इस मोशन पोस्टर का टाइटल 'द अनसीन हीरोज' रखा गया है। पोस्टर में देश के उन हीरोज को एक ट्रिब्यूट है, जो हमेशा हमारे आसपास रहते हैं। यह उन नर्सों, वार्ड बॉय, क्लीनर्स, लिफ्ट ऑपरेटर्स, सिक्योरिटी स्टाफ और एडमिनिस्ट्रेटर्स को सम्मान देता है, जिन्होंने 2008 के मुंबई टेरर अटैक्स के दौरान हिम्मत दिखाई थी। फिल्म में कंगना रनौत मुख्य भूमिका निभा रही हैं। कहानी का बड़ा हिस्सा अस्पताल से जुड़ा दिखाया गया है, जहां डर और अफरा-तफरी होने के बावजूद अंदर मौजूद लोग हिम्मत और समझदारी से हालात संभालते हैं। फिल्म यह बताने की कोशिश करती है कि संकट के समय इंसानियत सबसे बड़ी ताकत बन सकती है।

कंगना रनौत ने फिल्म को लेकर कहा, '''भारत भाग्य विधाता' उन अनदेखे लोगों को समर्पित है, जो संकट के समय इंसानियत की ढाल बनकर सामने आते हैं। जब कोई बड़ा हादसा या आपदा आती है, तो लोग सबसे पहले पुलिस, सेना या सरकार की तरफ उम्मीद से देखते हैं। लेकिन इस फिल्म में उन लोगों की कहानी दिखाई गई है, जो बिना किसी पहचान या सम्मान की उम्मीद के दूसरों के लिए खड़े हो जाते हैं।'' कंगना ने आगे कहा, ''इस फिल्म में दिखाए गए लोग वे हैं जिनकी वर्दी पर कभी ध्यान नहीं जाता। खून से सने एप्रन पहनने वाले अस्पताल कर्मचारी, साधारण कपड़ों में काम करने वाले लोग और मरीजों की सेवा में लगे कर्मचारी ही असली बहादुर होते हैं। असली साहस किसी मेडल या इनाम का इंतजार नहीं करता। यह अपने आप सामने आ जाता है, जब इंसान दूसरों की जान बचाने के लिए खुद को खतरे में डाल देता है।''

फिल्म के प्रेजेंटर और निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने भी फिल्म के संदेश पर बात की। उन्होंने कहा, भारत जैसे देश में एक-दूसरे के प्रति अपनापन और संवेदनशीलता को जोड़कर रखा जाता है। जब संकट आता है, तो एक भारतीय खुद-ब-खुद दूसरे भारतीय की मदद के लिए आगे बढ़ता है। यही भावना फिल्म की आत्मा है। 'भारत भाग्य विधाता' उन सच्चाइयों को याद दिलाने की कोशिश है, जिन्हें समय के साथ लोग भूल जाते हैं। फिल्म के लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया ने कहा, ''आज के दौर में फिल्मों में गोलीबारी, धमाके और हिंसा दिखाना आसान है लेकिन खामोश बहादुरी को पर्दे पर उतारना सबसे मुश्किल काम होता है। फिल्म में उन छोटे-छोटे पलों को पकड़ने की कोशिश की गई है, जब एक साधारण इंसान अपने डर को पीछे छोड़कर दूसरों की रक्षा करने का फैसला करता है।''

फिल्म में कंगना रनौत के अलावा गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, अमृता नामदेव, ईशा डे, प्रिया बेर्डे, आशा शेलार, सुहिता थट्टे, रसिका आघासे, आदित्य मिश्रा और जाहिद खान जैसे कलाकार नजर आएंगे। 'भारत भाग्य विधाता' को डॉ. जयंतीलाल गडा की पेन स्टूडियोज प्रस्तुत कर रही है। फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज, मणिकर्णिका फिल्म्स, परमहंस क्रिएशंस, यूनोइया फिल्म्स एलएलपी और फ्लोटिंग रॉक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने मिलकर किया है। फिल्म को मनोज तापड़िया ने लिखा और निर्देशित किया है। यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिंगापुर में भारत और अमेरिका ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र संबंधी सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा की

सिंगापुर/भाषा। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को सिंगापुर में अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे पपारो से मुलाकात की और क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की।भारतीय रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क निदेशालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि 'शांगरी-ला संवाद 2026' से इतर सिंह की पपारो के साथ हुई वार्ता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ''सैन्य सहयोग को मजबूत करने और उभरती सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने'' पर केंद्रित रही।बैठक में भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को गहरा करने की ''साझा प्रतिबद्धता'' की पुष्टि ऐसे समय की गई जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का प्रमुख अखाड़ा बनकर उभरा है।इस सप्ताह की शुरुआत में, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने उल्लेख किया था कि वैश्विक समुद्री व्यापार का 60 प्रतिशत हिस्सा हिंद-प्रशांत क्षेत्र से होकर गुजरता है, जो वाशिंगटन के लिए इस क्षेत्र के महत्व को रेखांकित करता है। सिंगापुर शिखर सम्मेलन के दौरान, सिंह ने नाटो सैन्य समिति के प्रमुख एडमिरल ग्यूसेप्पे कैवो ड्रैगन, कनाडा के राष्ट्रीय रक्षा उपमंत्री केल्विन ब्रोसो और सेशेल्स के रक्षा बलों के प्रमुख मेजर जनरल माइकल रोसेट के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन बैठकों के रक्षा सहयोग और सुरक्षा चुनौतियां पर चर्चा की गई। सिंह ने प्रमुख विचारकों और शिक्षाविदों की एक सभा को भी संबोधित किया, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक जुड़ाव के लिए भारत का दृष्टिकोण साझा किया।

'कृष्णावतारम' में पौराणिक कथा नहीं, इतिहास दिखाया गया: अभिनेत्री संस्कृति जयना

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री संस्कृति जयना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'कृष्णावतारम' को लेकर लगातार सुर्खियों बटोर रही हैं। पौराणिक-ऐतिहासिक फिल्म में उन्होंने 'सत्यभामा' का किरदार निभाया है। फिल्म को लेकर अभिनेत्री ने बताया कि इसकी कहानी को सत्यभामा के नजरिए से बनाया गया है। अभिनेत्री संस्कृति जयना ने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा, फिल्म में कई ऐसी कहानियां और प्रसंग शामिल किए गए हैं, जिनके बारे में शायद आम लोगों को भगवान कृष्ण के संदर्भ में जानकारी न हो। सत्यभामा भी भगवान श्री कृष्ण के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं। अभिनेत्री संस्कृति जयना ने छोटी दिवाली के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा, आज बहुत से कम लोग जानते हैं कि भगवान श्री कृष्ण और सत्यभामा ने मिलकर अत्याचारी असुर नरकासुर का वध किया था, जिसकी खुशी में आज हम सभी लोग हर साल 'छोटी दिवाली' (नरक चतुर्दशी) मनाते हैं। ये ऐसी अनसुनी कहानियां हैं जो आज की पीढ़ी को शायद नहीं पता। इस

फिल्म के माध्यम से वे अपनी समृद्ध विरासत के इन सुनहरे पन्नों से रूबरू हो सकेंगे।

जब अभिनेत्री संस्कृति जयना से आईएएनएस ने पूछा कि क्या आज का सिनेमा अपनी जड़ों और आध्यात्मिकता से दूर हो रहा है तो अभिनेत्री ने कहा, मैं पूरी फिल्म इंडस्ट्री पर टिप्पणी नहीं कर सकती, लेकिन हम अपनी फिल्म के जरिए लोगों को संस्कृति और गौरवशाली इतिहास से फिर से जोड़ने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से मुझे इन कहानियों को 'पौराणिक कथाएं' कहना पसंद नहीं है, क्योंकि हमारे लिए यह इतिहास है। हमारे पास द्वारका जैसी जगहों के सबूत मौजूद हैं और हमारी विरासत से जुड़े ऐसे कई और भी पहलू हैं।

संस्कृति जयना ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से बात करते हुए बताया कि सत्यभामा की इस यात्रा के जरिए दर्शक न केवल उनके चरित्र को समझेंगे, बल्कि भगवान कृष्ण, राधा रानी और रुक्मिणी जी के बीच गहरे रिश्तों को भी एक नजरिए से देख पाएंगे। उन्होंने कहा, मैं सत्यभामा से बहुत ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हूं। वह बहुत ही सरल स्वभाव की थीं और अपनी भावनाओं को जाहिर करने से कभी नहीं डरती थीं। वह बहुत साहसी थीं और हमेशा सच के साथ खड़ी रहती थीं।

असल में, इसी वजह से उन्हें 'सत्यभामा' नाम मिला था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि आज की महिलाएं उनके इस सफर से बहुत मजबूती से जुड़ पाएंगी, क्योंकि वे भी अपनी हिम्मत और अपनी आवाज को ढूंढने की कोशिश कर रही हैं। सत्यभामा उसी ताकत और हिम्मत की प्रतीक थीं। मैं भी उनके इसी भावनात्मक सफर से खुद को जुड़ा हुआ महसूस करती हूं।

नीति मोहन ने शेयर किया चक्रासन वीडियो, फैंस को दी रीढ़ की हड्डी सीधी रखने की सलाह

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत के सितारे अपनी कला के साथ-साथ फिटनेस को लेकर भी सजग रहते हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को मशहूर गायिका नीति मोहन ने चक्रासन करते हुए खास वीडियो शेयर किया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में नीति मोहन जिम के अंदर बेहतरीन तालमेल और संतुलन के साथ चक्रासन करती नजर आ रही हैं। उनकी यह वीडियो दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। गायिका ने सभी को सलाह देते हुए लिखा, मेरुदंड (बैकबोन) सीधा रखना है, तो चक्रासन कर लो। खुद को फिट रखने के लिए नीति हेल्दी डाइट और रेगुलर वर्कआउट पर काफी ध्यान देती हैं। चक्रासन (जिसे 'व्हील पोज' या ऊर्ध्व धनुरासन भी कहा जाता है) एक उन्नत योग मुद्रा है, जिसमें शरीर का आकार एक पहिए (चक्र) या उल्टे धनुष जैसा बन जाता है। यह रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और शरीर की ताकत बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन अभ्यास है।आयुष मंत्रालय के अनुसार, चक्रासन न सिर्फ शरीर को मजबूत और लचीला बनाता है बल्कि मन को भी शांत रखने में मदद करता है। यह आसन नियमित रूप से करने से पोस्चर सुधरता है और रोजमर्रा की थकान भी दूर होती है।इसके अलावा, चक्रासन के अभ्यास से लचीलेपन को बढ़ावा मिलता है। यह छाती को खोलने में मदद करता है, जिससे सांस लेना आसान हो जाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से थकान और तनाव कम होता है तथा पैरों की मांसपेशियां मजबूत बनती हैं। जो लोग दिनभर सुस्ती या थकान महसूस करते हैं, उनके लिए यह आसन काफी लाभकारी माना जाता है। साथ ही, यह पूरे शरीर में ऊर्जा बढ़ाने और ताजगी बनाए रखने में मदद करता है। गायिका नीति मोहन आज मनोरंजन जगत का जाना-माना नाम हैं। चैनल वी रियलिटी शो 'पॉपस्टार्स' जीतकर अपने करियर की शुरुआत करने वाली नीति ने भले ही फिल्म 'विकी डोनर' के गीत 'सुन रे सुन' से डेब्यू किया हो, लेकिन असल पहचान उन्हें फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर के गाने 'इश्क वाला लव' से मिली थी।

क्षतिग्रस्त

कोलकाता में शुक्रवार को चांदनी चौक बाजार में एक शक्तिशाली तूफान के दौरान एक चार मंजिला इमारत से गिरने के बाद लोहे का एक बड़ा अस्थायी ढांचा (स्ट्रक्चर) क्षतिग्रस्त हो गया।

प्रदर्शन

कांग्रेस नेता डॉली शर्मा ने शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ छात्रों और अभिभावकों के साथ मिलकर शुक्रवार को इंदिरापुरम, गाजियाबाद के स्वर्ण जयंती पार्क में विरोध प्रदर्शन किया।

भारत में ज्यादा बाल फिल्में नहीं बनतीं, मैं इस शैली को और अधिक विकसित करना चाहूंगा : जैकी श्रॉफ

मुंबई/भाषा। वरिष्ठ अभिनेता जैकी श्रॉफ ने कहा कि उनकी आने वाली फिल्म ''द ग्रेट ग्रैंड सुपर हीरो-एलियंस का आगमन'' बच्चों की फंतासी फिल्म है और यह शैली उनके दिल के बेहद करीब है क्योंकि यह ऐसी विधा को दर्शाती है जिसकी मुख्यधारा के सिनेमा में कमी है।

इस फिल्म में श्रॉफ एक दादाजी की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने पोते को यह कहानी सुनाते हैं कि वह एक सुपरहीरो हैं। इसके बाद कई मजेदार घटनाएं होती हैं और एलियंस से सामना भी होता है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, ''आजकल बच्चों की फिल्में बहुत कम बनती हैं और अगर ऐसी फिल्में हों जो बच्चों, उनके सपनों और उनकी मासूमियत के बारे में हों, तो मुझे उन्हें करना बेहद पसंद है। हमें फिल्मों में ऐसी चीजें देखने को ज्यादा नहीं मिलतीं। मैं हर तरह की फिल्में करता हूं, लेकिन यह शैली मेरे दिल के सबसे करीब है क्योंकि हम सभी के भीतर एक बच्चा होता है।''

फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' का निर्देशन मनीष सैनी ने किया है, जिन्हें उनकी गुजराती भाषा की

फिल्म 'ढ' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। उन्होंने 'गांधी एंड कंपनी', 'शुभ यात्रा', 'जय माता जी-लेटस रॉक' और पुरस्कार विजेता लघु फिल्म 'गिद्ध' का भी निर्देशन किया है।

जैकी श्रॉफ पहले बच्चों की फिल्मों 'हरी पुत्तर: अ कॉमेडी ऑफ टेरर्स' और 'भूत अंकल' में नजर आ चुके हैं। उन्होंने कहा कि वह बचपन में सिंड्रेला, ऐलिस इन वंडरलैंड और अरेबियन नाइट्स जैसी कहानियां सुनते हुए बड़े हुए, लेकिन उनका मानना है कि भारतीय बच्चों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से अधिक जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, ''बचपन में अथर्ववेद, आयुर्वेद और ऋग्वेद सीखने की बजाय हम 'जैक एंड जिल वेंट अप द हिल', 'रिंग-अ-रिंग-अ-रोज़ेज' और 'अलादीन' सीख रहे थे। हम भारतीय चीजों के बारे में उतना नहीं सीख रहे थे। मुझे लगा कि बचपन में हम इन बातों से वंचित रह गए। आज उनकी कल्पनाशक्ति इंटरनेट और एआई से आकार ले रही है।'' फिल्म 'शिवा का इंसाफ' में सुपरहीरो की भूमिका निभा चुके जैकी श्रॉफ ने कहा कि वह खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि उन्हें एक बार फिर सुपरहीरो का किरदार निभाने का मौका मिला और इस बार एक दादाजी के रूप में। उन्होंने कहा, ''परिवार में सबसे वरिष्ठ व्यक्ति दादाजी होते हैं और उनके पास असली सुपरपावर्स होते हैं। बच्चे अपने दादा-दादी से बहुत कुछ सीखते हैं।'' 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' का निर्माण जी स्टूडियोज और अमदावाद फिल्म्स ने किया है और यह 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में प्रतीक स्मिता पाटिल, भाग्यश्री दसानी, शरत सक्सेना, मिहिर गोडबोले, दुर्गेश कुमार, सहर्ष शुक्ला, शिवांश चोरगे और कुमार सौरभ भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

संकट के समय हमारे दिल में बसे प्रेम को याद दिलाना महत्वपूर्ण है : इम्तियाज अली

मुंबई/भाषा। वैश्विक स्तर पर लोग तेजी से अधिक कठोर होते जा रहे हैं, और इसी कारण फिल्म निर्देशक इम्तियाज अली ने अपनी नई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' बनाई है। यह फिल्म प्रेम, घावों को भरने और उस शांत मधुरता की कहानी है, जिसे लोग अपने दिलों में तब भी संजोए रखते हैं जब उनके आसपास सब कुछ बिखर चुका होता है।

इस फिल्म के जरिए निर्देशक अली एक बार फिर अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ काम कर रहे हैं, जिन्होंने उनकी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' में भी अभिनय किया था।

निर्देशक ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे लगता है कि हमारे भीतर सभी के अंदर कुछ न कुछ मिठास होती है, जिसे हम प्रेम या आध्यात्मिकता के रूप में महसूस करते हैं और जो हमारे दिल के करीब रहती है तथा हमें कठोर वास्तविकताओं से उबरने में मदद करती है।

अली ने कहा, दुर्भाग्यवश, आज दुनिया में बहुत कुछ गलत हो रहा है और संघर्ष बढ़ रहा है। इसलिए हमारे दिलों में बसे प्रेम को याद दिलाना और भी महत्वपूर्ण है।

भारत के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित इम्तियाज अली की नई फिल्म इतिहास की किताबों से प्रेरित नहीं है। यह फिल्म उन प्रत्यक्ष अनुभवों से प्रेरित है, जो उन्हें विभाजन के जीवित बचे लोगों से बातचीत के दौरान प्राप्त हुए थे।अली ने पंजाब में अपनी 2024 की फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की शूटिंग के दौरान ऐसे लोगों से मुलाकात की थी।इम्तियाज अली 'रॉकस्टार', 'तमाशा', 'लव आज कल', 'हाईवे' और 'जब वी मेट' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मुलाकात दो बुजुर्गों से हुई, जिन्होंने दशकों बाद विभाजन के समय की हिंसा और नफरत की बजाय उन पहलुओं पर बात की जो उनके दिल के बेहद करीब, प्रेमपूर्ण और सुंदर स्मृतियों से जुड़े थे। इस फिल्म में संजय सूरी, रजत कपूर, अंजना सुखानी और मनीष चौधरी जैसे कलाकार नजर आएंगे। बिरला स्टूडियोज और अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट के साथ मोहित चौधरी और विंडो सीट फिल्म्स के शिबाशीष सरकार द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आज आंसू है, पर संवेदनाएं खोती जा रही है : पं. ज्ञानबोधि विजयजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

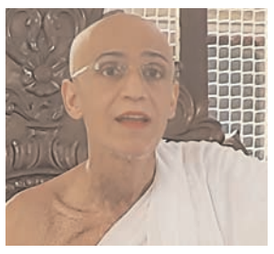

चेन्नई। यहां पूनमल्ली हाई रोड स्थित बीबीसीएल ब्रीज रेजिडेंसेज में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी महाराज के शिष्य पंन्यास प्रवर ज्ञानबोधि विजयजी ने शुक्रवार को आयोजित धर्मसभा में भावपूर्ण एवं प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए कहा कि आज मनुष्य की आंखों से संवेदना के आंसू धीरे-धीरे समाप्त होते जा रहे हैं। अनंत जन्मों में मनुष्य इतना रो चुका है कि उन आंसुओं से समुद्र भी छोटा पड़ जाए, किंतु वे आंसू केवल वेदना के थे, इसलिए उनका कोई वास्तविक मूल्य नहीं था।

पंन्यास प्रवर ने अत्यंत मार्मिक शैली में कहा कि बेटियां आंसुओं का निवारण हैं, जबकि पत्नी कई बार आंसुओं का कारण बन जाती है। बेटियों के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यदि कौरवों के यहां बेटियां होतीं, तो शायद महाभारत जैसा विनाशकारी युद्ध नहीं होता। उन्होंने आंसुओं के तीन प्रकार बताते हुए कहा कि वेदना के आंसू, संवेदना के आंसू और अनुमोदना के आंसू, ये तीनों मनुष्य के भावलोक को दर्शाते हैं। शरीर की पीड़ा, बीमारी, व्यापार में हानि अथवा प्रियजन के वियोग से निकलने वाले आंसू वेदना के आंसू हैं। ऐसे आंसू प्रायः स्वार्थ और मोह से जुड़े होते हैं तथा कर्मबंध का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार धर्माराधना करते समय आने वाले आंसू भी वेदना के ही होते हैं।

पंन्यास प्रवर ने कहा कि आज मनुष्य के पास वेदना तो है, लेकिन संवेदना समाप्त होती जा रही है। किसी दूसरे के दुःख को देखकर आंखें नम होना अथवा किसी के आंसू पोंछना ही वास्तविक संवेदना है। यदि जीवन में संवेदना नहीं रही, तो मनुष्य जीवन का महत्व ही क्या रह जाता है। भगवान महावीर के जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जब संगम ने भगवान महावीर को उपसर्ग दिए और बाद में वहां से जाने लगा, तब उसकी पीठ देखकर भगवान की आंखों में आंसू आ गए। वे आंसू वेदना के नहीं, बल्कि संवेदना के थे। उन्होंने कहा कि संसार के लिए रोना वेदना है, जबकि शासन और धर्म के लिए रोना संवेदना है।

कुर्वे सचिन शारदचंद्र बने चेन्नई पोर्ट ऑथोरिटी के चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई पोर्ट ऑथोरिटी के नए चेयरमैन के रूप में कुर्वे सचिन शारदचंद्र, आईएएस ने कार्यभार ग्रहण किया है। उनका कार्यकाल सुनील पालीवाल, आईएएस के बाद शुरू हुआ जो वर्तमान में भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण नई दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। सचिन शरदचंद्र कुर्वे भारतीय प्रशासनिक सेवा के उत्तराखंड कैडर के 2003 बैच के एक विशिष्ट अधिकारी हैं। दो दशकों से अधिक के अपने करियर में, उन्होंने उत्तराखंड और महाराष्ट्र सरकारों में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर कार्य किया है और पर्यटन, नागरिक उड्डयन, राजस्व प्रशासन, ग्रामीण विकास, उद्योग, लोक प्रशासन और जिला प्रशासन के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक कुर्वे एक कुशल, गतिशील और जनहितैषी प्रशासक के रूप में प्रसिद्ध है।

कुर्वे उत्तराखंड सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों का कार्यभार संभाल चुके हैं। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी में शामिल होने से पहले, वे चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव और नागरिक उड्डयन सचिव के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने पर्यटन सचिव और राज्य उत्पाद शुल्क एवं राजस्व सचिव के रूप में भी कार्य किया है। इन पदों पर रहते हुए उन्होंने पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने, निवेश को बढ़ावा देने, हवाई संपर्क में सुधार करने और राज्य में भूमि एवं राजस्व प्रशासन को सुव्यवस्थित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने उत्तराखंड सरकार में ग्रामीण विकास सचिव और उद्योग सचिव सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पदों का भी कार्य किया है उन्होंने हरिद्वार, देहरादून, टिहरी गढ़वाल और रुद्रप्रयाग जिलों में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में भी कार्य किया है । अपनी प्रशासनिक कुशलता, शांत नेतृत्व और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध श्री सचिन शरदचंद्र कुर्वे शासन, सार्वजनिक सेवा वितरण और संस्थागत सुदृढ़ीकरण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखे हुए हैं। उनकी ताकत नागरिक-केंद्रित दृष्टिकोण और सरकार की विभिन्न सार्वजनिक सेवा पहलों के कार्यान्वयन के लिए सहयोगात्मक वातावरण विकसित करने की उनकी विनम्रता में निहित है।

उनके नेतृत्व में, चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण मशीनीकृत बर्थों के माध्यम से माल ढुलाई को बढ़ावा देने के लिए परिचालन आधुनिकीकरण को प्राथमिकता देगा, उन्नत स्मार्ट पोर्ट प्रौद्योगिकियों को लागू करके डिजिटल परिवर्तन को गति देगा।

महावीर इंटरनेशनल चेन्नई द्वारा जीवदया सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। महावीर इंटरनेशनल चेन्नई मेट्रो द्वारा गुरुवार को मनोहरलाल लोढा परिवार के सहयोग से पिंजरापोल गौशाला ओटेरी मे गौमाता को हरी घास, पालक और ककड़ी चारे के रूप में दिया गया। इस अवसर पर गौशाला चारा कार्यक्रम प्रभारी राजेन्द्र बेताला, सूचना-एवं संपर्क प्रभारी अजीतकुमार नागोरी, महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष ज्ञानचंद कोठारी, अध्यक्ष विजयराज कटारिया, पूनमचंद मांडोत, नरेशकुमार खींचा, सहयोगी मंगलचंद मनोहरलाल लोढा, सुरेशकुमार भंसाली, भीकमचंद श्रीश्रीमाल, प्रकाश तालेड़ा, ललित चौधरी एवं अन्य सदस्यगणों ने गौमाता की सेवा की।

न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रिया से निकाली गई 2.8 किलो की तिल्ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एसआरएम प्राइम अस्पताल के डॉक्टरों ने एक जटिल लेप्रोस्कोपिक-सहायता प्राप्त स्प्लेनेक्टोमी (एक न्यूनतम इनवेसिव सर्जिकल प्रक्रिया) के माध्यम से बिहार की 23 वर्षीय महिला की 2.8 किलोग्राम की विशाल तिल्ली को निकालने में सफलता प्राप्त की है । बिहार से आई इस महिला को नॉन-सिरोटिक पोर्टल फाइब्रोसिस था जो एक ऐसी स्थिति है जिसमें लिवर को रक्त की आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाएं लिवर सिरोसिस के बिना ही क्षतिग्रस्त और संकुचित हो जाती हैं। साथ ही उसे हाइपरस्प्लेनिज़्म भी था जो एक ऐसा विकार है जिसमें बढ़ी हुई प्लीहा अतिसक्रिय हो जाती है और रक्त कोशिकाओं को नष्ट कर देती है। सर्जरी करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि इस दुर्लभ और चिकित्सकीय रूप से चुनौतीपूर्ण स्थिति के कारण उसके रक्त मापदंडों और समग्र स्वास्थ्य में गंभीर असामान्यताएं उत्पन्न हो गई थीं जिसके कारण उसे लगातार थकान, सामान्य कमजोरी और दैनिक कार्यों को करने में शीघ्र थकावट की समस्या हो रही थी। बिहार में प्रारंभिक चिकित्सा जांच में यकृत और प्लीहा संबंधी असामान्यताएं पाई गईं, जिसके बाद उसे उन्नत उपचार के लिए एसआरएम प्राइम अस्पताल में रेफर किया गया था। डाक्टरों द्वारा किए गए विस्तृत जांच से पता चला कि उसके रक्त में गंभीर असामान्यताएं थीं, जिनमें हीमोग्लोबिन (5.% ग्राम/डेसीलीटर), श्वेत रक्त कोशिकाएं (1600/मिमीक) और प्लेटलेट स्तर (30,000/मिमीक) बेहद कम थे, जिससे उसे रक्तस्राव और संक्रमण का उच्च जोखिम था। उन्नत सीटी स्कैन से पता चला कि उसकी तिल्ली लगभग 21.2गुणा16.4गुणा14.2 सेमी आकार की और लगभग 2.8 किलोग्राम वजनी थी।

ऑपरेशन से पहले रोगी के मेडिकल हिस्ट्री का अवलोकन डॉ. अरुलप्रकाश एस, क्लिनिकल लीड और सीनियर कंसल्टेंट मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और हेपेटोलॉजी और डॉ. सी.एच. धीरज, कंसल्टेंट मेडिकल ऑन्कोलॉजी द्वारा किया गया। मरीज के पूर्ण अवलोकन के बाद लैप्रोस्कोपिक-सहायता प्राप्त स्प्लेनेक्टोमी ऑपरेशन डॉ. आर.वी. सुगी सुब्रमण्यम, सीनियर कंसल्टेंट - सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एचपीबी सर्जरी और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी तथा एनेस्थीसिया टीम के साथ सफलतापूर्वक किया गया। सर्जरी के उपरांत मरीज की सेहत में तेजी से सुधार हुआ और उसके नैदानिक लक्षणों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई और उसे पांचवें दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक व पद्मविभूषण से सम्मानित श्री श्री रविशंकरजी ने बेंगलूरु परिसर में हुब्बल्ली महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक महेंद्र सिंघी का सम्मान किया। पिछले 30 वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा में समर्पित महावीर लिंब सेंटर द्वारा 55 हजार से अधिक विकलांगों को कृत्रिम पैर लगाए जाने की मानवसेवा के मद्देनजर श्री रविशंकरजी ने सिंघी का सम्मान किया। इस मौके पर बेंगलूरु के सिद्धार्थ बोहरा, अश्विन सेमलानी एवं रविशंकरजी के शिष्य स्वामी शरणानंद भी उपस्थित थे।

जैन संप्रदाय के तीन संतों का हुआ आध्यात्मिक मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंधनूर। स्थानीय कुंथुनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ में शुक्रवार को सिंधनूर में जैनधर्म की मूर्तिपूजक, स्थानकवासी और तेरापंथी, तीन भिन्न परंपराओं के साधु-संतों का मधुर मिलन हुआ। संतों का आपसी विनय, सरलता, सद्भावना और स्नेहभरा नज़ारा देखकर उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालु भावुक हो उठे। गणि पद्मविमलसागरजी ने बताया कि तीनों संप्रदाय के साधु-संतों ने साथ मिलकर प्रवचन सभा को संबोधित किया।मूर्तिपूजक संप्रदाय के आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने पहली बार सिंधनूर आगमन के अवसर पर शहर में उपस्थित दोनों संप्रदाय के संतों को साथ आने और संयुक्त धर्मसभा को संबोधित करने का आग्रह किया था, जिसे दोनों संप्रदायों की ओर से सहर्ष स्वीकार कर लिया गया। स्थानकवासी और तेरापंथी संतों ने आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी के प्रयास, सरलता और सद्भावना की खूब प्रशंसा की।ङ्कआचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अब वक्त का तकाज़ा है कि घर घर में धर्म जागरण का शंखनाद हो। रफ्तार से बदलते युगीन परिवेश में जैन समाज अपनी संस्कृति और संस्कारों की विरासत खोता जा रहा है।

संप्रदायों की मान्यताएं अपने अपने धर्मस्थानों तक सीमित रखकर हम सबको मिलजुलकर अब धर्म के सिद्धांतों और नैतिक मूल्यों के लिए अलख जगानी होगी। यह निर्णायक समय है। या तो हम बचेंगे अथवा मिट जाएंगे। मानकर चलिए कि भगवान महावीर हमें बचाने नहीं आएंगे। हम सबको मिलकर अपनी सुरक्षा करनी होगी। ङ्कशांतक्रांति स्थानकवासी जैन संघ के मुनि नवीनप्रज्ञजी ने कहा कि जीव और अजीव का भेद करना व उनका मूल्यांकन करना बहुत जरूरी है। आज अजीव के पीछे अंधी दौड़ लगी है। जीव का सारा सत्व उसके लिए लग गया है। पहले धन कमाने में शरीर बीमार हो जाता है फिर शरीर को ठीक करने में अनापसनाप धन लग जाता है। इस दोनों की उधेड़बुन में जीवन और उसकी महान संभावनाएं हाथ से सरक जाती हैं। ङ्कतेरापंथ धर्मसंघ के मुनि आलोककुमारजी ने कहा कि अच्छाइयों को ग्रहण करना सीखना चाहिए। बड़ों के अनुभवों की सीख लेकर उनसे आशीर्वाद से आगे बढ़ना चाहिए। दूसरों को सम्मान देना सीखना चाहिए और अपनी कथनी-करनी के अंतर को दूर करना सीखना चाहिए। अध्यक्ष लालचंद छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। संघ के मंत्री सुजीत जैन ने संतों का स्वागत किया।

कुचेरा जैन एसोसिएशन द्वारा प्याऊ का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । स्थानीय कुचेरा जैन एसोसिएशन द्वारा सी2 पुलिस स्टेशन के समीप प्याऊ का उद्घाटन किया गया। प्याऊ उद्घाटन के अवसर पर पुलिस थाने के पुलिस उपनिरीक्षक जय कुमार, एजी जैन स्कूल के सचिव दलजीतसिंह ढढ़ा प्याऊ के लाभार्थी महावीर कुम्भट, कुचेरा जैन एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय कुमार नाहर, सचिव सागर सुराणा,जतन सिंघवी, देवेंद्र बेताला, हंसराज नाहर, भरत नाहर, भरत बागमार, राजेंद्र सुराणा, तारेष बेताला, अजित श्रीश्रीमाल, सुरेश रांका सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर राहगीरों को रोज मिल्क का वितरण किया गया। अध्यक्ष विजय कुमार नाहर ने बताया कि संस्था द्वारा बढ़ती गर्मी में राहगीरों का ध्यान रखते हुए समय समय पर रोज मिल्क, छाछ , नीबू पानी का वितरण किया जाएगा।

धन जेब में रहे तो ठीक, दिमाग में चढ़ जाए तो विनाश तय : डॉ.समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम में विराजित डॉ.समकितमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि वीतराग परमात्मा की 'जिनवाणी' ही वह सच्चा दर्पण है जो हमारे जीवन का सही दिग्दर्शन कराता है और हमारी 'गति' की जानकारी देता है। लोग अपना भविष्य जानने के लिए ज्योतिषियों के चक्कर काटते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी ज्योतिषी से यह मत पूछो कि मृत्यु के बाद मेरी गति कौन सी होगी? बस एकांत में बैठकर अपनी 'मति' को जांच लो, तुम्हें अपनी 'गति' का स्वतः पता लग जाएगा। मनुष्य के भटकाव पर कटाक्ष करते हुए संतश्री ने कहा, इंसान दिन-रात अपनी 'श्री' (धन) और 'श्रीमती' का तो बहुत ध्यान रखता है, लेकिन अपनी 'मति' का ध्यान रखना भूल जाता है। याद रखो, यदि तुमने अपनी मति का ध्यान नहीं रखा, तो यही 'श्री' और 'श्रीमती' तुम्हारी गति बिगाड़ देंगे। यदि किसी कारणवश 'श्रीमती' बिगड़ भी जाए, तो केवल इस एक जन्म का नुकसान होगा, लेकिन यदि तुम्हारी 'मति' बिगड़ गई, तो तुम्हारे भव-भव का नुकसान हो जाएगा।ङ्कमुनिवर ने कहा, जब तक पैसा तुम्हारी जेब या तिजोरी में है, तब तक सब ठीक है। लेकिन जिस दिन यह पैसा तुम्हारे 'दिमाग' में घुस गया, उस दिन से यह तुम्हारे लिए भयंकर नुकसानदायी और अकल्याण का कारण बन जाएगा। धन का केवल सदुपयोग करो, लेकिन उसमें फंसो मत। यदि तुम्हारी 'मति' सही और स्थिर है, तो दुनिया की कोई भी 'श्री' या 'श्रीमती' तुम्हारी गति नहीं बिगाड़ सकती। उन्होंने कहा, यदि तुम्हारा अपने मन पर पूरा कंट्रोल रहेगा, तो तुम्हारी आंखें, कान और अन्य सभी इंद्रियां भी स्वतः तुम्हारे वश में रहेंगी। इस मति को 'सुमति' बनाने की कला केवल जिनवाणी ही सिखाती है, इसलिए जब भी जिनवाणी सुनने का सुयोग मिले, उसे कभी मत चूको। प्रभु के वचनों के प्रति अपने हृदय में गहरी रुचि और प्रीति जगाओ।ङ्कङ्कप्रवचन के निष्कर्ष में मुनिश्री ने सभी श्रद्धालुओं को एक स्वर्णिम और परम वैराग्यपूर्ण संदेश दिया- धन, समय और जीवन का जितना हिस्सा तुमने अपने स्वार्थ या संसार में उपयोग कर लिया, वह बीत गया, लेकिन अब जो पीछे 'शेष' है, उसे अच्छे कर्मों और परमार्थ में लगा दो।

पर्यावरण जागरूकता के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी अणुव्रत समिति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत समिति विजयनगर की कार्यकारिणी समिति की बैठक तेरापंथ भवन में आयोजित हुई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण और अणुव्रत के विभिन्न अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में अणुव्रत के प्रत्येक अभियान से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। बैठक के दौरान अणुविभा राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत के विभिन्न अभियानों की विस्तृत जानकारी दी तथा 'अणुव्रत क्रिएटिविटी कॉन्टेस्ट' के थीम सॉन्ग का विमोचन किया गया।

पर्यावरण दक्षिण राष्ट्रीय संयोजक संपत चावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विश्व पर्यावरण अभियान को जन-जन का अभियान बनाने का आह्वान किया। समिति के कार्यों को और अधिक सुचारू रूप से चलाने के लिए कुछ अहम दायित्व भी सौंपे गए जिसमें सुमित्रा बरडिया को संयोजक एवं नवरतन बैद को सहसंयोजक नियुक्त किया गया।

भूराराम सीरवी को पर्यावरण अभियान का संयोजक बनाया गया है। ङ्कबैठक में सभा के अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप के अध्यक्ष विकास बांठिया सहित अनेक लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन मंत्री अरिहंत कवाड़िया ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.